सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 15 अंक - 99 | www.shreekanchanpath.com| संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, रविवार 21 जनवरी 2024 पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा

चर्चा में छत्तीसगढ़ का रामनामी समाज, बताया उनके पूर्वजों ने पहले ही की भविष्यवाणी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। अयोध्या में 22 जनवरी को प्रभु श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा होने जा रही है। इस बीच छत्तीसगढ़ में एक ऐसा समाज भी है जो श्री राम को समर्पित है। सक्ती जिले के जैजेपुर में चल रहे रामनामी मेले में पहुंचे रामनामी समाज के लोगों ने चर्चा में बताया कि उनके पूर्वजों ने पहले की अयोध्या में श्रीराम मंदिर निर्माण की भविष्यवाणी की थी। उनके पूर्वजों ने यह भी बताया था कि कब राम मंदिर का निर्माण होगा। रामनामी समाज के लोगों ने चर्चा में कहा कि 150 साल पहले हमारे पूर्वजों ने बता दिया था कि अयोध्या में श्रीराम मंदिर में प्राणप्रतिष्ठा शुक्ल पक्ष एकादशी से त्रयोदशी के बीच होगी। बता दें 22 जनवरी को श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा अयोध्या में हो रही है। जैजेपुर में चल रहे रामनामी मेले में पहुंचे रामनानी समाज के गुलाराम रामनामी ने बताया कि इसकी तिथि हमारे पूर्वजों ने पहले ही बता दी थी। हमारा मेला भी इसी तिथि में भरता है और अद्भुत संयोग है कि श्रीराम के भव्य मंदिर में रामलला की प्राणप्रतिष्ठा इस समय हो रही है। पता नहीं क्या है इस तारीख में जो पंडित बता रहे हैं वही हमारे पूर्वजों ने भी बताई। ये राम ही बताएंगे। गुलाराम और उनके साथी बताते हैं कि पूर्वजों की कही बात पूरा होने से हम लोग बहुत खुश हैं।

मेला परिसर के तीन किमी के दायरे में मांस-मदिरा नहीं

गुलाराम बताते हैं कि मेला परिसर के तीन किमी के दायरे में माँस-मदिरा निषेध है। जैसे लोग मंदिर में जूता छोड़कर जाते हैं। वैसा ही हम मानते हैं कि हमारे हृदय में राम का वास है। हमने शरीर के हर अंग में राम का नाम लिखा है तो हमने यह संकल्प लिया है कि हम अपने शरीर को दूषित नहीं कर सकते। इसलिए माँस-मदिरा से परहेज करते हैं। इसके साथ ही हम छल-कपट से भी दूर रहते हैं। गुलाराम कहते हैं कि राम सभी जाति धर्मों से परे सबके हैं।

150 साल से गा रहे हैं राम भजन

रामनामी मेले के बारे में बताते हुए खम्हरिया से आये मनहरण रामनामी ने बताया कि हर साल इसी तिथि में मेले का आयोजन होता है। एक साल महानदी के इस पार और एक बार महानदी के उस पार। मनहरण ने बताया कि 150 साल पहले से हम लोग भजन गाते आये हैं। पहले छोटे भजन गाते थे 15 साल से बड़े भजन की शुरूआत हुई। सरसकेला से आई सेजबना ने बताया कि मैं बचपन से भजन गाती हूँ। 7 साल से राम नाम गोदवाया है। मेरे माता-पिता भी भजन गाते थे। यह चौथी पीढ़ी है जो भजन गा रही है। राम नाम की महिमा अपरंपार है। जिस परिसर में यह सब भजन गा रहे हैं। उस परिसर में भी उन्होंने राम नाम लिखवा लिया है। अपने घर में राम का नाम लिखा है। वस्त्रों में राम का नाम लिखा है। रामनामी राम के नाम के उपासक हैं। रामनामियों ने कहा कि किसी भी रूप में राम को भजो, चाहे गेरुवा पहन कर भजो, चाहे मुंडन कराओ लेकिन भेदभाव न करो। छलकपट न करो। यही उनका संदेश है।

राम को भजै सो राम का होई

जैजेपुर में भजन जारी है। रामनामी मनहरण गा रहे हैं। जो राम को भजै सो राम का होई। जब उनको सुनते हैं तो भारत रत्न पंडित भीमसेन जोशी का भजन याद आता है जो भजे हरि को, सोही परम पद पायेगा। रामनामी अपनी हर बात में मानस का कोई दोहा अथवा कबीर का कोई दोहा गाते हैं। रामनामी मनहरण ने बताया कि हमने सब कुछ अपने राम को समर्पित कर दिया है। राम नाम के हजारों किस्से हैं। रामनामी मनहरण बताते हैं कि एक बार महानदी में बड़ी बाढ़ आई। इसमें कुछ रामनामी सवार थे और कुछ लोग सामान्य लोग थे। धार बहुत बढ़ गई। नाविक ने कहा कि अब राम नाम याद कर लो, सबका अंत याद आ गया है। फिर राम नाम का भजन गाया। फिर बहाव कम हो गया और सब सुरक्षित तट पर लौटे। ये 1911 की बात हैं। हम सबको यह बताते हैं। इसी दिन से मेला भरना शुरू हुआ।

संपादकीय

तनाव घटाने की कोशिश

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय की ओर से देश में कोचिंग सेंटरों के लिए जो नई गाइडलाइन जारी की गई है, उसे सही दिशा में उठाया गया कदम कहा जा सकता है। इसका मकसद कोचिंग सेंटरों के रेगुलेशन का स्टैंडर्ड सेट करना बताया गया है। भारत में स्टूडेंट्स जिस तरह के तनाव से गुजरते हैं, उसका अंदाजा उनकी खुदकुशी के आंकड़ों से हो जाता है। हालिया आंकड़ों के मुताबिक, 2019 से 2021 के बीच ही 35,000 से ज्यादा स्टूडेंट्स ने खुदकुशी की। अफसोस की बात यह है कि खुदकुशी करने वालों की संख्या साल-दर-साल बढ़ती जा रही है। 2019 में स्टूडेंट्स की खुदकुशी की जो संख्या 10,335 थी, वह 2020 में 12,526 हो गई और 2021 में बढ़कर 13,089 तक जा पहुंची। इस तनाव का एक बड़ा केंद्र जाने अनजाने देश भर में फलते-फूलते कोचिंग सेंटर भी हो गए हैं। कोटा जैसे कोचिंग हब से स्टूडेंट्स की खुदकुशी की खबरें जब-तब आती रहती हैं और राज्य सरकार के साथ दूसरी पहल के बावजूद वहां इस पर रोक लगाने में कामयाबी नहीं मिल पाई है। मुखर्जी नगर में भी कोचिंग करने पहुंचे स्टूडेंट्स कितने स्ट्रेस में रहते हैं, यह कोई छिपी हुई बात नहीं है। न केवल स्टूडेंट्स बल्कि पैरेंट्स भी इस बात को लेकर बेकरार रहते हैं कि उनका बच्चा किसी तरह से कॉम्पिटिशन निकाल ले। इस क्रम में वे अक्सर बच्चों को कम उम्र में भी कोचिंग में भर्ती करा देते हैं ताकि वे दूसरे बच्चों से आगे रहें। इसके लिए कोचिंग संस्थानों की ऊंची फीस भरने को भी तैयार रहते हैं। इन सबका प्रेशर आखिरकार बच्चों पर ही पड़ता है। उन्हें लगता है कि अगर किसी वजह से वे नाकाम हुए तो न केवल पैरेंट्स की उम्मीदें टूटेंगी बल्कि उनकी मेहनत की कमाई भी बेकार जाएगी। लिहाजा वे खुद को कॉम्पिटिशन की तैयारी में झोंक देते हैं, लेकिन कामयाबी की उम्मीद नजर न आने पर उनके टूट जाने का खतरा बना रहता है। इस लिहाज से यह महत्वपूर्ण है कि शिक्षा मंत्रालय की गाइडलाइन में उन पहलुओं पर खास ध्यान दिया गया है जिनसे कोचिंग सेंटरों के तनाव का स्रोत में तब्दील होने के आसार बढ़ते हैं। उदाहरण के लिए, 16 साल से कम उम्र के बच्चों के दाखिले, कोचिंग सेंटरों के भ्रामक दावों, ग्रैजुएट से कम क्वॉलिफिकेशन वाले टीचर्स की भर्ती और फीस में मनमानी बढ़ोतरी पर रोक लगा दी गई है। गाइडलाइन के उल्लंघन को दंडनीय अपराध माना गया है। जाहिर है, इस गाइडलाइन से समस्या पूरी तरह दूर होने की उम्मीद नहीं की जा सकती। यह गंभीर और जटिल समस्या है जिसके कई सारे आर्थिक, सामाजिक और मनोवैज्ञानिक पहलू हैं। फिर भी यह कदम समस्या को हल करने और स्टूडेंट्स के लिए माहौल को बेहतर बनाने में मददगार जरूर साबित हो सकता है, बशर्ते इस पर सही ढंग से अमल सुनिश्चित किया जाए।

> “ गाइडलाइन के उल्लंघन को दंडनीय अपराध माना गया है। जाहिर है, इस गाइडलाइन से समस्या पूरी तरह दूर होने की उम्मीद नहीं की जा सकती। यह गंभीर और जटिल समस्या है जिसके कई सारे आर्थिक, सामाजिक और मनोवैज्ञानिक पहलू हैं।

चीन में घटती आबादी, बढ़ते बुढ़े!

एक समय (और यह बहुत पहले की बात नहीं है) चीन दुनिया का सबसे ज्यादा आबादी वाला देश था। अब वह एकदम दूसरे किस्म की समस्या की गिरफ्त में हैं। उसकी आबादी में कमी आ रही है। और कमी आने की दर बढ़ती जा रही है। सन 2023 लगातार दूसरा ऐसा साल था जब देश में जन्मदर इतिहास में सबसे कम थी। चीन के नेशनल ब्यूरो ऑफ स्टेटिस्टिक्स के अनुसार, सन 2023 में चीन की कुल आबादी में 27.5 लाख, अर्थात 0.2 प्रतिशत की कमी आई है। अब वहां की आबादी 140.9 करोड़ है। सन 2022 में भी आबादी कम हुई थी। माओ युग के अकालों में बड़ी संख्या में लोगों की मौत के बाद से 2022 वह पहला साल था जब चीन की आबादी घटी।

चीन में लम्बे तक जनसँख्या नियंत्रण नीतियां लागू रहीं। इनमें वन-चाइल्ड पालिसी भी शामिल थी। उन नीतियों के नतीजे अब सामने आ रहे हैं। आबादी में बुजुर्गों का अनुपात बढ़ता जा रहा है और युवा वर्ग की बच्चे पैदा करने में बिलकुल रूचि नहीं है। पिछले साल चीन में बच्चों के जन्म में तेजी से कमी आई। इसके अलावा, 2023 में 11 लाख लोगों की मौत हुई। नतीजे में अब चीन में बुजुर्गों की जितनी संख्या है उतनी दुनिया के किसी दूसरे देश में नहीं है और यह संख्या बढ़ती जा रही है। और इसी के नतीजे में 2023 में भारत दुनिया का सबसे ज्यादा आबादी वाला देश बन गया, और चीन दूसरे नंबर पर खिसक गया। चीनी अधिकारियों को डर है कि यह स्थिति अर्थव्यवस्था को तहस-नहस कर सकती है। बुजुर्गों की देखभाल और उनके इलाज पर खर्च बढता जायेगा और कामकाजी लोगों, जो टैक्स चुकाकर इस खर्च को पूरा करेंगे, की संख्या घटती जाएगी। इस स्थिति से निपटने के लिए चीनी कम्युनिस्ट पार्टी महिलाओं को अधिक बच्चे पैदा करने के बदले कई लाभ दे रही है। उन्हें सस्ते घर मिलते हैं, टैक्स से छूट मिलती है और नगद प्रोत्साहन भी। कम्युनिस्ट पार्टी ने उनमें देशभक्ति का भाव भरने की कोशिश भी की और उनसे अच्छी पत्नी और अच्छी माँ बनने का आव्हान भी किया। मगर कुछ भी काम न आया। शी जिनपिंग लम्बे समय से कहते आ रहे हैं कि महिलाओं को घर में अपनी पारंपरिक भूमिका की ओर वापस लौटना चाहिए। हाल में उन्होंने सरकारी अधिकारियों से कहा कि वे विवाह और बच्चों के जन्म की संस्कृति को बढ़ावा दें और युवाओं की प्रेम, विवाह, फर्टिलिटी और परिवार के बारे में सोच को बदलें। मगर विशेषज्ञों का कहना है कि सरकार उस एक कारक की ओर ध्यान नहीं दे रही है जो अभिभावकत्व के बारे में महिलाओं की सोच को सबसे ज्यादा प्रभावित कर रहा है।

भारतीय छात्रों को मुश्किल

पिछले साल जब कनाडा सरकार को करारा जवाब देने के लिए भारत ने उसके राजनयिकों को देश से निकाला, तभी यह अंदेशा पैदा हो गया था कि इसकी कीमत कनाडा में पढ़ाई करने को इच्छुक भारतीय छात्रों को चुकानी पड़ सकती है। अब इस अंदेशे की पुष्टि हो गई है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक विवाद शुरू होने के बाद कनाडा पढ़ने जाने वाले भारतीय छात्रों की संख्या में बड़ी गिरावट आई है। कनाडा ने पिछले साल भारतीयों को कम स्टडी वीजा जारी किए। 2022 के मुकाबले पिछले साल की चौथी तिमाही में 86 फीसदी कम छात्र वीजा जारी हुए। 2022 की चौथी तिमाही में 1,08,940 वीजा जारी किए गए थे, वहीं 2023 में इसी अवधि में मात्र 14,910 वीजा जारी हुए। भारत ने कनाडा के जिन राजनयिकों को अपने यहां से निष्कासित किया था, उनमें वीजा जारी करने वाले अधिकारी भी शामिल थे। कनाडा के इमिग्रेशन मंत्री मार्क मिलर ने कहा है कि उन्हें नहीं लगता कि निकट भविष्य में हालात में कोई सुधार होगा।

उन्होंने कहा कि भारत से आने वाली अर्जियों को निपटाने की कनाडा की क्षमता भारत के साथ बिगड़े रिश्तों के कारण आधी हो गई है। दोनों देशों के बीच कूटनीतिक विवाद तब पैदा हुआ, जब कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने आरोप लगाया कि खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत सरकार का हाथ हो सकता है। निज्जर कनाडा का नागरिक था। कनाडा सरकार ने अपने दावे के समर्थन में सार्वजनिक तौर पर कोई ठोस सबूत उपलब्ध नहीं कराया है। लेकिन उसका दावा है कि उसके पास ऐसे पुख्ता सबूत हैं। भारत ने कनाडा के आरोप का खंडन किया था। जवाबी कार्रवाई के तौर पर कनाडा के राजनयिकों को निकाला गया था। लेकिन कुछ महीनों बाद वैसा ही आरोप अमेरिका ने भी भारत पर लगा दिया। तब भारत की प्रतिक्रिया अलग किस्म की रही और उस आरोप की भारत में जांच कराई जा रही है। गौरतलब है कि अमेरिका ने भारत से कनाडा की जांच में भी सहयोग करने को कहा था। बहरहाल, तब भारत ने जो रुख तय किया, उसका खामियाजा भारतीय छात्रों को भुगतना पड़ रहा है।

> “ यहां एक और बात याद दिलाना चाहूंगा। मंदिर की चर्चा में अक्सर मस्जिद की बात पीछे छूट जाती है। सुप्रीम कोर्ट ने मस्जिद के लिए भी जमीन आवंटित करने का आदेश दिया था। अब सरकार द्वारा आवंटित उसी जमीन पर मस्जिद के निर्माण की हलचल भी शुरू हो गई है। कहते हैं कि रमजान के पवित्र माह में यह नेक काम शुरू हो जाएगा। अच्छा होगा, मंदिर और मस्जिद, दोनों समय से संपूर्णता को प्राप्त कर लें।

अविराम संघर्ष का अंतिम पड़ाव

शशि शेखर

वह ईस्वी सन् 1949 की ठंडी रात थी। तारीख थी, 22-23 दिसंबर। उस रात अयोध्या में जो हुआ, वह किसी 'चमत्कार' से कम नहीं था। बाद में, वहां सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात हवलदार अबुल बरकत ने तत्कालीन जिला मजिस्ट्रेट को अपने आधिकारिक बयान में बताया कि 22 और 23 दिसंबर 1949 के बीच की रात उसने करीब दो बजे इमारत के अंदर एक खुदाई रोशनी कौंधते देखी, जिसका रंग सुनहरा था और उसमें उसने एक चार-पांच वर्ष के देवतुल्य बालक को देखा। इस दृश्य को देखकर वह सकते में आ गया। जब उसकी चेतना लौटी, तब उसने देखा कि मुख्य द्वार का ताला टूटा पड़ा है और असंख्य हिंदुओं की भीड़ भवन में प्रवेश कर सिंहासन पर प्रतिष्ठित मूर्ति की आरती तथा भये प्रगट कृपाला, दीन दयाला की स्तुति कर रही है।

जाहिर है कि मंदिर खुल चुका था और प्रतिदिन पूजन शुरू हो गया था। अब इसे दुनिया की कोई ताकत रोक नहीं सकती थी। राम जन्मभूमि के उद्धार के लिए किसी न किसी रूप में सोलहवीं शताब्दी से जारी अनवरत आंदोलन का आजाद हिन्दुस्तान में यह पहला अहम पड़ाव था।

सैंतीस साल बाद, वर्ष 1986, तारीख-1 फरवरी। शाम चार बजकर बीस मिनट पर फैजाबाद (अब अयोध्या) के जिला जज फैसला सुनाते हैं कि रामलला जहां विराजमान हैं, उसका ताला खोल दिया जाए। लगभग दस किलोमीटर दूर स्थित मंदिर में सिर्फ चालीस मिनट की सीमित अवधि में ताला तोड़ दिया जाता है। जिस अधिकारी के पास इस ताले की चाबी थी, उसे बुलाने तक की जहमत नहीं उठाई जाती। उस वक्त हजारों लोग वहां रामलला की जय-जयकार कर रहे थे। आजाद भारत में इस अविराम संघर्ष का यह दूसरा अहम पड़ाव था।

...और अब। कुछ घंटे बाद, यानी 22 जनवरी, 2024 की दोपहर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक भव्य समारोह में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा के गर्वीले संवाहक बनेंगे। वह इस आयोजन के मुख्य यजमान हैं। उन्होंने इस पावन दायित्व का हक बड़े जतन से जुटाया है। चार दशकों से मोदी किसी न किसी रूप में 'मंदिर मुक्ति आंदोलन' से जुड़े हुए हैं। मंदिर का निर्माण भी उन्हीं के कार्यकाल में शुरू हुआ। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत उनके साथ होंगे। संघ के शिव संकल्प के बिना यह अनुष्ठान असंभव था।

ऐसा लगता है, जैसे काल-चक्र यहां अपने पांच सौ वर्ष पुराने सफर को विराम देने जा रहा है।

देश-विदेश से आए लगभग आठ हजार अति विशिष्ट अतिथि इन ऐतिहासिक लम्हों के साक्षी बनने जा रहे हैं। मंदिर का निर्माण अभी पूरा नहीं हुआ है, पर जानने वाले जानते हैं कि मूर्तियों की प्राण-प्रतिष्ठा ही पूजन के लिए पर्याप्त होती है। भारतीय संस्कृति में भक्ति लोकमानस की भावना की उपज मानी जाती है। लोग इस स्थान को ही शताब्दियों से मंदिर का मान देते आए हैं।

जिन्हें भरोसा न हो, वे एक बार अपने आस-पास नजर दौड़ा देखें। आपको हर ओर 'राम-लहर' उमड़ती दिखाई देगी। हर रोज दर्जनों की संख्या में रिलीज होने वाले 'भजन', चौराहों पर बिकती राम पताकाएं, घर-घर पहुंचते संघ के कार्यकर्ता इस भाव को धार देने में जुटे हैं। अक्षत और रोली की पुड़िया के साथ वे 22 जनवरी को घर-घर दीये जलाने की अपील कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस अपील को दोहरा दिया है। कहते हैं, जब राम वन से लौटे थे, तब वहां के हर घर में दीये जले थे। क्या कल हम समूचे देश में ऐसा होते देखेंगे? संघ ने तो विदेश में रह रहे भारतवंशियों से भी यही उम्मीद की है।

रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा क्या नया इतिहास रचने जा रही है?

इस मंदिर की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह सर्वोच्च अदालत के अनुमोदन और स्वीकृति के साथ बन रहा है। तय है, सन 1949 से 2024 तक हम हिन्दुस्तानियों ने तमाम सलीके और शऊर सीख लिए हैं। 1949 के 'चमत्कार' को मैं चुनौती नहीं दे रहा, पर अपने मकसद को अंजाम तक पहुंचाने के लिए चमत्कारों की जगह स्थापित व्यवस्था से ही काम चलाया जा सकता है। रामलला का यह मंदिर इस नई, पर बेहद स्वस्थ परंपरा की निशानी है। वजह? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई वाली हुकूमत ने 1986 जैसी जल्दबाजी नहीं दिखाई। कानून का सहारा लिया। इस संकुल की स्थापना को लेकर इसीलिए विरोध के स्वर बुलंद नहीं हो पा रहे।

और तो और, बरसों तक बाबरी मस्जिद के वादी और पैरोकार रहे इकबाल अंसारी तक इस प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में हिस्सा लेने को तत्पर हैं। यहां फतेहपुर जेल में बंद एक कैदी जियाउल हक का उल्लेख जरूरी है। उसने कारागार के नियमों के तहत पिछले दो महीने में जो काम किए, उसका मेहनताना सौ रुपये बनता है। वह इस राशि को रामलला की भेंट चढ़ाना चाहता है। अयोध्या के सैकड़ों मुस्लिम परिवार आज भी पूजन समग्री की कारीगरी से जुड़े हैं। हर बात पर हिंदू-मुसलमान करने वाले चाहें, तो इससे सबक ले सकते हैं। राम सबके थे, सबके रहेंगे! उनकी नगरी अयोध्या हमेशा से सांप्रदायिक भावों से खुद को बचाती आई है, इस बार भी उसने अपनी इस रवायत को पूरी आन-बान-शान के साथ कायम रखा है।

इस अर्चना संकुल को संपूर्णता तक पहुंचने में तीन साल तक लग सकते हैं। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार की मंशा इस कस्बे को विशाल धर्मनगरी का स्वरूप देने की है। यह संयोग ही है कि लगभग 108 एकड़ में उभरने वाला यह मंदिर परिसर अपने क्षेत्रफल में ईसाइयों की धर्मनगरी वेटिकन के बराबर होगा। वेटिकन भी लगभग 108.7 एकड़ में फैली हुई है।

यहां एक और बात याद दिलाना चाहूंगा। मंदिर की चर्चा में अक्सर मस्जिद की बात पीछे छूट जाती है। सुप्रीम कोर्ट ने मस्जिद के लिए भी जमीन आवंटित करने का आदेश दिया था। अब सरकार द्वारा आवंटित उसी जमीन पर मस्जिद के निर्माण की हलचल भी शुरू हो गई है। कहते हैं कि रमजान के पवित्र माह में यह नेक काम शुरू हो जाएगा। अच्छा होगा, मंदिर और मस्जिद, दोनों समय से संपूर्णता को प्राप्त कर लें। ये संपूर्णता सिर्फ भवनों की नहीं, बल्कि धर्मों के पीछे छिपी भावना की होनी चाहिए। बिना भावना के भुवन कैसा?

यही वजह है कि मैं अयोध्या को वेटिकन से बिल्कुल अलग मानता हूं। वहां कैथोलिक पंथ का सर्वोच्च मुकाम जरूर है, पर अयोध्या में कुछ बरस बाद मंदिर और मस्जिद एक साथ एक सा पैगाम देते नजर आएंगे। क्यों न सिख, ईसाई, जैन और बौद्ध भी अपना एक-एक श्रद्धा केंद्र वहां स्थापित करें? क्या सभी धर्मों और पंथों के धर्माचार्य इस पर गौर फरमाएंगे?

विलाप नहीं, कठोर साधना से खुद को साबित कीजिए

जेत्सुन्मा तेन्जिन पाल्मो, बौद्ध धर्मगुरु

हिन्दुस्तान की धरती सदियों से तरह-तरह के लोगों को लुभाती रही है। यहां सिर्फ दौलत के लोभ में लुटेरे और आक्रांता ही नहीं आए, बल्कि ज्ञान के पिपासु और अध्यात्म के मुरीद भी खिंचे चले आते रहे। आक्रांताओं का दौर तो खैर साढ़े सात दशक पहले हमेशा-हमेशा के लिए खत्म हो गया, मगर अपनी आध्यात्मिक-धार्मिक आभा के कद्रदानों के लिए यह देश हमेशा अपने द्वार खुले रखेगा। आज एक ऐसी ही बौद्ध भिक्षुणी 'तेन्जिन पाल्मो' की कहानी, जो जन्म से तो भारतीय नहीं हैं, मगर इन्होंने बुद्ध के देश को अब अपना घर बना लिया है। पाल्मो को बीबीसी ने हाल ही में दुनिया की सौ प्रभावशाली महिलाओं में शुमार किया है। आज से लगभग अस्सी साल पहले ब्रिटेन में पैदा हुई पाल्मो का नाम तब डायने पेरी रखा गया था। बड़े बेटे के बाद बेटी की पैदाइश ने परिवार को पूर्ण बना दिया था। सब बहुत खुश थे। मगर जब डायने दो साल की थीं, तभी उनके पिता की मौत हो गई। मां ने ही दोनों बच्चों को पाला। डायने की मां एक अध्यात्मवादी महिला थीं और वह लंदन के परिवारों में इसकी शिक्षा दिया करती थीं। ऐसे में, मां का असर बेटी पर पड़ना स्वाभाविक था। नन्ही डायने के भीतर उसी समय 'सत्य की खोज' को लेकर उत्सुकता पैदा हो गई थी। साल 1961 की बात है। डायने तब अठारह की रही होंगी। जॉन वाल्टर्स की किताब द माइंड अनशेकन को पढ़ते हुए उन्हें ऐसी अनुभूति हुई कि वह पूर्वजन्म में बौद्ध थीं। उनके भीतर एक बेचैनी जन्म ले चुकी थी। जिस उम्र में लड़कियां हसीन जिंदगी के ख्वाब संजोती हैं, डायने आध्यात्मिक उत्कर्ष को समझने की राह तलाश रही थीं। स्कूल से निकलने के बाद उन्होंने लंदन स्थित दो पुस्तकालयों में बतौर लाइब्रेरियन काम किया, ताकि इतने पैसे जुटा सकें कि बुद्ध की पावन धरती पर उनका जाना हो सके।

अगले दो-ढाई वर्षों में ही वह मौका आ गया, जब उनका सपना पूरा हुआ। डायने हिमाचल प्रदेश में डलहौजी चली आईं, जहां फ्रेडा बेदी नाम की एक अंग्रेज महिला के साथ उन्हें काम करने का मौका मिला। फ्रेडा ने डलहौजी में तिब्बती बच्चों के लिए एक स्कूल खोला था। जून 1964 की बात है। संयोग से जिस दिन डायने का जन्मदिन था, स्कूल में द्रुक्पा काग्यू लामा 8वें खम्त्रुल रिनपोछे का आगमन हुआ। उन्हें देखते ही 21 वर्षीया डायने को लगा, उन्हें उनके गुरु मिल गए। बिना वक्त गंवाए उन्होंने उनसे पूछा, क्या वह भिक्षुणी बन सकती हैं? भारत में कदम रखने के महज तीन महीने में ही वह

डायने से ड्रबग्यू तेन्जिन पाल्मो बन गईं। तिब्बती बौद्ध मठ निवासी बनने वाले पश्चिम के चंद लोगों में से एक। जिंदगी की एक पुरानी साध पूरी हो गई थी। पूरी निष्ठा और शुचिता के साथ तेन्जिन पाल्मो ने धार्मिक नियमों का पालन शुरू कर दिया। सन् 1967 में 16वें करमापा से सिक्किम के रुमटेक मठ में उन्हें श्रामणेरिका दीक्षा प्राप्त हुई। मगर तिब्बती परंपरा में उन दिनों महिलाओं को पूर्ण दीक्षा नहीं दी जाती थी, इसलिए बाद में पाल्मों हांगकांग के मिउ फैट मंदिर में भिक्षुणी दीक्षा प्राप्त करने पहुंच गईं। फिर एक मोड़ आया, जब गुरु ने गहन साधना के लिए लाहौल की हिमालय घाटी में एकांतवास करने को कहा। पाल्मो लगभग छह वर्षों तक लाहौली मठ तायुल गोम्पा में एकांतवास में रहीं।

आगे की साधना के लिए उन्हें अधिक एकांत की तलाश थी। वह कोई गुफा ढूंढ़ रही थीं, मठ से कुछ घंटे चलने पर दो मीटर की एक गुफा मिल गई। गरमियों के महीनों में केलांग से चीजें आ जाया करतीं और वह पास में शलगम व आलू उगा लेती थीं। मगर सर्दियों के लिए उन्हें भंडारण करना पड़ता, क्योंकि तब बर्फ से पूरा इलाका पट जाता था और पाल्मो की गुफा भी ढक जाती थी, उन दिनों में उन्हें 'मेडिटेशन बॉक्स' में ही साधना करनी पड़ती और उसी में सीधा सोना पड़ता था। मगर इन जीवन-घातक अनुभवों के बावजूद पाल्मो अपनी एकांत साधना में सफल रहीं। 12 वर्षों तक वह गुफा में रहीं। शुरू के नौ वर्षों तक तो वह आगंतुकों से मिल लेतीं या कभी-कदा गुफा से निकलकर दूर कहीं निकल भी जाती थीं, मगर आखिरी तीन साल सख्त साधना में गुफा में ही बीते।

सन् 1988 की गरमियों में उनका एकांतवास खत्म हुआ, तो इटली के दोस्तों के अनुरोध पर पाल्मो उनके साथ रहने चली गईं। इस दौरान उनके पास पढ़ाने के कई प्रस्ताव आए, और उन्होंने सबको स्वीकार करना शुरू कर दिया। मगर उनके मन में एक बात रह-रहकर कौंधती रही कि उनके गुरु ने कई अवसरों पर उनसे एक भिक्षुणी विहार शुरू करने की अपेक्षा जताई थी। साल 1993 में ताशी जोंग खांपगर मठ के लामाओं ने भी पाल्मो से इसके बारे में अनुरोध किया। वह खुद इसका महत्व समझ रही थीं। पाल्मो इस कठिन कार्य के लिए तैयार हो गईं। ताशी जोंग के पास ही मुनासिब जमीन भी मिल गई। फिर उन्होंने धीरे-धीरे दुनिया भर से उसके लिए समर्थन जुटाना शुरू कर दिया। साल 2001 से इसका निर्माण शुरू हो गया और जब यह भिक्षुणी विहार बनकर तैयार हुआ, तो इसे नाम दिया गया- 'डोग्यू गत्सल लिंग' यानी प्रामाणिक वंश-वाटिका। यहां सौ से ज्यादा भिक्षुणियों को प्रशिक्षण मिल चुका है। साल 2008 में तेन्जिन पाल्मो को एक भिक्षुणी के रूप में उनकी आध्यात्मिक उपलब्धियों और महिलाओं की स्थिति को ऊपर लाने के लिए दुर्लभ उपाधि 'जेत्सुन्मा' दी गई, जिसका अर्थ होता है आदरणीय गुरु। तिब्बती बौद्ध धर्म की साधिका।

जब धर्मों की सत्ता में पुरुषों का एकाधिकार कायम हो, तब लंदन के माहौल में पली-बढ़ी तेन्जिन पाल्मो की यह विरल यात्रा बताती है कि अध्यात्म और साधना के क्षेत्र में भी ि्त्रयां मर्दों से कमतर नहीं हैं। निष्ठा, शुचिता और लोकमंगल की भावना उन्हें भी धर्मसत्ता की गद्दी दिला सकती है।

प्रस्तुतिः चंद्रकांत सिंह

'मैं कौन हूं' जानने वह भारत आ गए

हिन्दुस्तान

कभी राम आए थे। अवतार हुआ था, उन्होंने मर्यादापुरुषोत्तम स्वरूप को साकार किया और फिर एक दिन अयोध्या में सरयू में लीन हो गए। संसार में मानव जीवन का श्रेष्ठतम व्यावहारिक भाव - रामभाव संसार में सदा के लिए रह गया, वह चले गए, पर राम कौन थे? राम अर्थात साक्षात नारायण, जो राम रूप से पहले परशुराम रूप में विराजमान हुए थे और राम के बाद कृष्ण रूप में अवतरित हुए, तो हम ठीक से जानते हैं कि तपस्वी राजा राम कौन थे, पर हममें से कितनों ने सोचा है कि मैं कौन हूं?

'मैं मौरिस फ्राइडमैन हूं,' यही तो वह विद्वान यहूदी इंजीनियर मानते आए थे। बाकी लोग भी यही मानते हैं, हम बस वही हैं, जो माता-पिता ने नाम रखा है। कोई पीटर है, तो कोई प्रकाश, कभी यह सवाल ही नहीं पैदा होता कि यह पीटर कौन है और प्रकाश क्या तत्व है? मौरिस फ्राइडमैन भी कभी नहीं सोचते थे कि वह कौन हैं? पर मन में एक बेचैनी-सी बनी रहती थी, अपनी यहूदी शैली को पूरा खंगाल लिया, फिर चर्च में चैन तलाशने लगे, पर उनके जीवन में क्रांति तब हुई, जब एक सज्जन लेखक पॉल ब्रंटन की पुस्तक ए सर्च इन सीक्रेट इंडिया हाथ लगी। उसमें एक प्रसिद्ध भारतीय संत रमन महर्षि के विचार थे, जिन पर पॉल ब्रंटन ने बहुत भक्ति भाव से लिखा था। पुस्तक में यह प्रश्न पुरजोर उठता है, 'मैं कौन हूं?' इस प्रश्न ने मौरिस को झकझोर कर रख दिया? वह सोचने लगे, यह तो आज तक जान नहीं पाया कि मैं कौन हूं। और तो और, यह प्रश्न ही कभी मन में नहीं आया। क्या गजब प्रश्न है, मैं कौन हूं? तो कैसे और कहां मिलेगा, इसका उत्तर? तब मौरिस के मन में भारत जाने की तीव्र इच्छा उत्पन्न हुई। वह भारत पहुंचने के लिए एकदम बेचैन हो उठे। कहा जाता है, आप दिल से इच्छा कीजिए, तो इच्छा ही अपनी राह तैयार करने लगती है। ऐसा ही हुआ। सौभाग्य से भारत में ही इंजीनियरिंग का एक काम निकल आया और मौरिस भारत पहुंच गए। यहां उन्होंने संतों के साथ मिलना शुरू किया।

रमन महर्षि से भी दिव्य भेंट हुई, पहले ही संवाद में बहुत गहरा असर हुआ। मौरिस ने निवेदन किया कि मुझे शिष्य

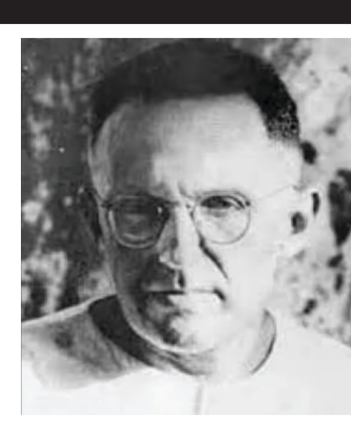

बना लीजिए। रमन महर्षि एक विदेशी को शिष्य बनाने से पहले कुछ इंतजार करना चाहते थे, पर मौरिस को लग रहा था कि बहुत समय गंवा दिया और अब जब कुछ समझ आई है, तो आगे एक भी पल गंवाना ठीक नहीं है। गोस्वामी तुलसीदास जी ने लिखा है - अबलौं नसानी, अब न नसैहौं। राम-कृपा भव-निसा सिरानी, जागे फिरि न डसैहौं। बहुत जल्दी मच गई कि साधु हो जाएं, संत भाव को समर्पित हो जाएं, ताकि पता तो चले कि मैं कौन हूं। संत रामदास जी से उन्होंने दीक्षा ले ली, नाम हो गया स्वामी भरतानंदा।

विद्वान, स्नेहिल और व्यवहारकुशल भरतानंदा अपने समय के तमाम दिग्गज व्यावहारिक संतों के सत्संग में रहते थे। तमाम तरह के अंधविश्वास से दूर, हर चीज को इंजीनियरिंग के पैमाने पर परखते हुए। अध्यात्म-ज्ञान ध्वजवाहक जे कृष्णमूर्ति के साथ उनकी तीखी बहस होती थी, तो संत निसर्गदत्त के साथ घंटों वह भगवद् प्रेम में डूबे रहते थे। मित्रवत मार्गदर्शक संत रमन महर्षि अक्सर कहते थे कि मौरिस मूलतः भारतीय हैं, बस पश्चिम में पैदा हो गए थे और अब स्वदेश लौट आए हैं।

वाकई भरतानंदा पर संतई और भारतीयता का रंग बहुत आसानी से चढ़ गया। सदा जाप, ध्यान, सत्संग में रहने लगे। जीवन में कम से कम बाह्य चीजों का सहारा लेने लगे। फिर जो खुशी उन्हें मिली, उसका आनंद उनके चेहरे पर मुखर रहने लगा। वह एक दिन जब गांधीजी से मिले, तब उन्हें चरखा दिखा। उन्होंने अपने इंजीनियरिंग ज्ञान से ऐसे चरखे बनाए, जो ज्यादा तेजी से सूत कात सकते थे, तो गांधीजी का काफी समय बचने लगा। गांधीजी ने उन्हें सदा भरतानंदा नाम से ही पुकारा। दस से ज्यादा भाषाओं के ज्ञाता मौरिस फ्राइडमैन अर्थात भरतानंदा (1901-1976) ने एक पुस्तक की रचना की, 'जो मैं हूं।' 'हू आई एम' के जवाब में 'दैट आई एम'। वह भारत में ही रहते हुए किसी विद्वान ऋषि की तरह गूढ़ पद्य लिखने लगे। पश्चिम में जन्में व्यक्ति का सौभाग्य देखिए, जब वह प्रसन्नचित्त संसार से विदा हुए, तब भारत के बड़े संतों की गोद उन्हें हासिल थी।

उन्होंने लिखा है, 'हम तब परिपक्व होते हैं, जब हम बहने से इनकार कर देते हैं, ...जब अंतर्दृष्टि से पैदा हुआ वैराग्य सहज हो जाता है, जब खोज - मैं कौन हूं? - ही एकमात्र ऐसी चीज बन जाती है, जो मायने रखती है, जब हम केवल एक मशाल बन जाते हैं और लौ ही महत्वपूर्ण हो जाती है, तो इसका मतलब यह होगा कि हम तेजी से पक रहे हैं। हम उस परिपक्वता को तेज नहीं कर सकते, पर हम भय और लालच, आलस्य और कल्पना, पूर्वाग्रह और गर्व की बाधाओं को दूर कर ही सकते हैं।

प्रस्तुति : ज्ञानेश उपाध्याय

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट,
दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान
विज्ञापन के लिए संपर्क करे:-
9827806026,
7869620239

Sargam
Musicals
Deals in All Kinds of
Musical Instrument
Sales & Repair

DURG:-
Near Tarun Adlabs
Station Road, Durg (C.G.)
Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:-
Near Manju Mamta
Reaustaurant, M.G. Road
Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

ADMISSION OPEN
COMMERCE GURU
12th CLASS
REGULAR STUDENT
GET CLASS 11th SYLLABUS CLASSES for FREE
APPLY NOW

www.commerceguru.in @commerceguru
commerceguru2011@gmail.com
35,Gourav Path, Sundar Nagar,Bhilai
+91 9644454810
+91 8103338634

श्रीकंचनपथ
छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

खास खबर

कलेक्टर ने नगरीय क्षेत्र स्थित कल्चरल भवन व निर्माणाधीन कन्वेंशनल हॉल का किया निरीक्षण

कोरबा। कलेक्टर अजीत वसंत ने कोरबा नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत निर्मित कल्चरल भवन एवं निर्माणाधीन कन्वेंशन हॉल का निरीक्षण किया। उन्होंने भवनों का कार्यात्मक उपयोग में लाने के लिए शेष निर्माण कार्य को शीघ्र पूर्ण कराने में जल्द ही उपयोग में लाने के निर्देश अधिकारियों को दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने नगरीय क्षेत्र के डिंगापुर रोड स्थित कला व संस्कृति भवन (कल्चरल हॉल) का अवलोकन करते हुए परिसर की साफसफाई, विद्युत, पेयजल की व्यवस्था एवं आवश्यक मरम्मत कराने के निर्देश दिए। उन्होंने भवन के कार्यात्मक उपयोग में लाने के लिए आवश्यक कदम उठाने की बात कही। इस हेतु विभागीय अधिकारियों से भवन आवश्यकता की जानकारी लेकर उन्हें आबंटित करने या अर्बन सोसायटी के माध्यम से भवन को निजी संस्थाओं को किराए पर उपलब्ध कराने की बात कही। इसी प्रकार रिस्दी मार्ग में निर्माणाधीन कन्वेंशन हॉल का निरीक्षण करते हुए उन्होंने भवन के अधूरे कार्य को तीव्रता से पूर्ण कराने के लिए कहा। कलेक्टर श्री वसंत ने कन्वेंशनल हॉल हेतु तैयार आर्किटेक्चर प्लान का अवलोकन के पश्चात् आवश्यकतानुसार आगे की कार्यवाही करने की बात कही। इस अवसर पर एसडीएम श्रीकांत वर्मा, कार्यपालन अभियंता छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल आर. के. दन्देलिया, निगम अपर आयुक्त खंजाची कुमार, सहित अन्य अधिकारी एवं क्रियान्वयन इकाई के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

सिंचाई पम्पों के ऊर्जीकरण के लिए आवश्यक विद्युत लाईनों के विस्तार के लिए दिशा-निर्देश जारी

रायगढ़। राज्य शासन द्वारा कृषि कार्य हेतु सिंचाई पम्पों के ऊर्जीकरण हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए है। जिसके तहत विद्युत लाईनों के विस्तार के लिए किसानों के सिंचाई पंप कनेक्शन एवं जल संसाधन विभाग द्वारा निर्मित एनीकट तथा राज्य में नदी-नालों के किनारे पम्पों के लिये आवश्यक विद्युत लाइन की स्थापना के लिए प्रति पंप 01 लाख रुपए का अनुदान दिया जाता है। छ.ग.स्टेट पा.डिस्ट्री.कं.लिमि.रायगढ़ के अधीक्षण यंत्री (वृत्त) ने जानकारी देते हुए बताया कि योजना अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2023-24 हेतु राज्य में 56 हजार पंपों के विस्तार कार्य का लक्ष्य निर्धारित है। रायगढ़ जिले हेतु राज्य शासन द्वारा माह जुलाई 2023 की स्थित में औपचारिक्तापूर्ण लंबित 2001 पंपों के विस्तार कार्य का लक्ष्य निर्धारित है। जिसके विरुद्ध 12 जनवरी 2024 तक 354 पंपों के कार्य पूर्ण किये जा चुके हैं। शेष पंपों के कार्य प्रगति पर है जिसे आगामी 31 मार्च 2024 तक पूर्ण किया जाना लक्षित है। योजनांतर्गत किसानों द्वारा नये विद्युत कनेक्शन प्राप्त करने हेतु निर्धारित दस्तावेज जैसा कि निर्धारित प्रपत्र में आवेदन, कृषि भूमि से संबंधित बी-1, पी-2 खसरा, नक्शा एवं कृषि भूमि स्वयं के नाम से होने के संबंध में प्रमाण जमा कराना होगा। कृषि भूमि स्वयं के नाम से नहीं होने अथवा सम्मिलित खाते की होने की स्थिति में सहखातेदोरों का अनापत्ति पत्र या सहमति नॉन जूडिशियल स्टाम्प पेपर में प्रस्तुत करना होगा। आवेदन संबंधित क्षेत्र के कनिष्ठ यंत्री वितरण केन्द्र के कार्यालय में जमा करना होगा। आवेदन जमा उपरांत संबंधित कृषि भूमि का सर्वेक्षण किया जायेगा। सर्वे के दौरान निम्नदाब विद्युत लाईन पाये जाने पर विद्यमान लाईन से विद्युत कनेक्शन जारी करने हेतु कार्यवाही की जाएगी। प्राक्कलन राशि अनुदान राशि से अधिक होने पर शेष राशि का भुगतान कृषक को करना होगा।

हमारे किसान खुशहाल होंगे तो देश खुशहाल होगा : उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़

श्रीकचनपथ न्यूज

रायपुर। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय के 38वें स्थापना दिवस को सम्बोधित करते हुए कहा कि हमारे किसान खुशहाल होंगे तो देश खुशहाल होगा। किसानों के लिए खेती-किसानी आजीविका का साधन ही नहीं अपितु देश की इकॉनामी को गति प्रदान करने, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक विकास का आधार है। अन्नदाताओं का अभिनंदन करते हुए करते हुए श्री धनखड़ ने कहा कि कृषि के क्षेत्र में आधुनिक तकनीकी को अपनाकर, किसानों को सहयोग प्रदान कर, आने वाली पीढ़ियों को खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने और 2047 तक विकसित भारत बनाने के लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है।

समारोह की अध्यक्षता राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन ने की। अतिविशिष्ट अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और कृषि मंत्री राम विचार नेताम भी समारोह में उपस्थित थे। उप राष्ट्रपति धनखड़ ने इस मौके पर इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गई धान की इम्यूनोबूस्टर एवं कैंसर रोधी नवीन किस्म 'संजीवनी' से निर्मित तीन उत्पादों संजीवनी इंस्टैन्ट, संजीवनी मधु कल्क तथा संजीवनी राइस बार का लोकार्पण किया। उन्होंने ने विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित कृषि दर्शिका 2024 का विमोचन भी किया। इसके पहले उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने विश्वविद्यालय परिसर में कृषि स्टार्ट अप, बायोटेक और कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा लगाए गए विभिन्न स्टालों का निरीक्षण किया और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं कृषि मंत्री रामविचार नेताम के साथ विश्वविद्यालय परिसर में मौलश्री का पौधा रोपा। कार्यक्रम के प्रारंभ में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर गिरीश चंदेल ने अतिथियों का स्वागत किया।

उप राष्ट्रपति ने विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों और वैज्ञानिकों का आव्हान करते हुए कहा कि आज भारत विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। इसमें किसानों का योगदान अतुलनीय है। कृषि के क्षेत्र में विद्यार्थियों और वैज्ञानिकों के योगदान से इसमें उत्तरोत्तर वृद्धि होगी। 2047 तक विकसित भारत का निर्माण केवल सपना नहीं हमारा लक्ष्य है। इसे हासिल करने में कृषि के विकास में कृषि वैज्ञानिकों की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्होंने कहा कि कृषि के क्षेत्र में आज स्टार्टअप के लिए नई संभावनाएं और बेहतर विकल्प हैं।

उप राष्ट्रपति ने विद्यार्थियों से कहा कि 2047 तक विकसित भारत बनाने में आपकी भूमिका एक सैनिक की तरह है। आप किसानों को कृषि उत्पादों की बेहतर मार्केटिंग और कृषि उत्पादों में वेल्यू एडिशन के लिए प्रोत्साहित करें। हमारे किसान भी खेती किसानी में ड्रोन टेक्नालॉजी का उपयोग करें। इसके लिए भी उन्हें प्रोत्साहित किया जाए। आज भारत तेजी से विकास कर रहा है। आपके योगदान से विकास की यह रफ्तार और तेज होगी। उन्होंने जलवायु परिवर्तन की चुनौती से निपटने के लिए वृक्षारोपण, खेती में आधुनिक तकनीक के उपयोग, खेती में सौर ऊर्जा के उपयोग, जल संरक्षण की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ एक आदिवासी बहुल और प्राकृतिक संसाधनों से सम्पन्न राज्य है। यह सुनिश्चित किया जाए कि इन संसाधनों का पूरा लाभ यहां के लोगों को मिले। उन्होंने कहा कि 'इंडिया इज साईनिंग स्टार इन ग्लोबल इकानॉमी' है। इसमें किसानों सहित सभी का योगदान हैं। सरकार की योजनाओं और बेहतर नीतियों ने इस उपलब्धि में उत्प्रेरक का काम किया है। उप राष्ट्रपति ने कहा कि कृषि वैज्ञानिकों के लिए यह अमृत काल है। अब कृषि दूध, सब्जी, तिलहन आदि के केवल उत्पादन तक सीमित नही है। उत्पादनों का प्रसंस्करण कर वेल्यू एडिशन के क्षेत्र में बेहतर विकल्प उपलब्ध हो रहे हैं। उन्होंने सभी को स्थापना दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। राज्यपाल श्री विश्वभूषण हरिचंदन ने कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को विश्व का अग्रणी देश बनाने में हमारे युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर विकसित भारत के निर्माण का अभियान शुरू किया गया है। विकसित भारत संकल्प यात्रा पूरे देश में आयोजित की जा रही है। लोग अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हो रहे हैं और विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का सीधा लाभ भी प्राप्त कर रहे हैं। हमारे देश में युवाओं की आबादी सबसे ज्यादा है। युवाओं में अपार क्षमता है वे इस अभियान को सफल बनाने में अहम भूमिका निभा सकते हैं।

उन्होंने कहा कि पीढ़ियों से कृषि छत्तीसगढ़ का मुख्य व्यवसाय रहा है, जो हमारे समुदायों को बनाए रखता है और हमारी संस्कृति का पोषण करता है। हमारे राज्य की समृद्ध कृषि विरासत पर हम सभी को गर्व है। छत्तीसगढ़ कृषि-प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नवाचार के एक रोमांचक युग का गवाह बन रहा है। स्टार्टअप और कृषि-उद्यमी उल्लेखनीय प्रगति कर रहे हैं। कृषि क्षेत्र के नवप्रवर्तक किसानों और सरकार के साथ सहयोग करें ताकि उनके नवाचार जनता तक पहुंचें।

उन्होंने विद्यार्थियों और कृषि वैज्ञानिकों से कहा कि स्टार्टअप्स के साथ सहयोग करें, अपना ज्ञान किसानों के साथ साझा करें, और आईजीकेवी के कार्यक्रम के माध्यम से उपलब्ध संसाधनों का लाभ उठाने के लिए किसानों को प्रोत्साहित करें। इससे कृषि न केवल उत्पादक होगी बल्कि टिकाऊ, लचीली और समावेशी भी होगी। उन्होंने कहा कि हम सभी बहुत भाग्यशाली हैं। जो स्वतंत्र भारत के साथ-साथ गणतंत्र भारत के अमृत काल के साक्षी बने।

भगवान प्रभु श्री रामलला के प्राणप्रतिष्ठा में शामिल होने चेंबर अध्यक्ष अमर पारवानी चले अयोध्या

प्रभु श्रीराम के चरणों में जनमानस के कल्याण की कामना करुंगा: पारवानी

श्रीकचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी, महामंत्री अजय भसीन, कोषाध्यक्ष उत्तम गोलछा, कार्यकारी अध्यक्ष राजेंद्र जग्गी, विक्रम सिंहदेव, राम मंधान, मनमोहन अग्रवाल, बताया कि अयोध्या में भगवान रामलला के प्राण प्रतिष्ठा के विशेष आमंत्रण पर चेंबर प्रदेश अध्यक्ष श्री अमर पारवानी प्राण प्रतिष्ठा के पावन अवसर के साक्षी बनने "राम जन्मभूमि "अयोध्या" को प्रस्थान हुए।

चेंबर प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी जी ने कहा कि अयोध्या में भगवान रामलला के प्राण प्रतिष्ठा का विशेष आमंत्रण मिलने पर अभिभूत हूं। श्रीराम सारे संसार के हैं और सारा संसार श्रीराम का है। श्री रामलला के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का निमंत्रण मिलना मेरे लिए सौभाग्य की बात है। ईश्वर ने मुझे इस पल का साक्षी होने का अवसर प्रदान किया है जिसके लिए मैं सदैव प्रभु राम का ऋणी रहूंगा। अयोध्या में कल प्रभु श्रीराम के गर्भ ग्रह में विराजमान होने से जन-जन का जीवन धन्य हो जायेगा। रामलला के प्राणप्रतिष्ठा की मैं समस्त प्रदेशवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं अर्पित करता हूं।

चेंबर पदाधिकारीगण जय श्री राम का नारा लगाते हुए पारवानी जी को माना विमानतल तक छोड़ने पहुंचे जिनमें चेंबर महामंत्री अजय भसीन, आईटी सेल प्रभारी कैलाश खेमानी, मंत्री शंकर बजाज, निलेश मूंधड़ा, शंकर सचदेव, राजेश शर्मा, युवा चेंबर महामंत्री कांति पटेल, कैट सीजी चैप्टर के कार्यकारी अध्यक्ष वासु मखीजा, युवा कैट अध्यक्ष अवनीत सिंह एवं पुनीत पारवानी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने बीएसपी स्कूल सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र डौण्डी किया निरीक्षण

श्रीकचनपथ न्यूज

बालोद। कलेक्टर इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवाल ने अपने डौण्डीलोहारा विकासखण्ड के प्रवास के दौरान दल्लीराजहरा स्थित बीएसपी स्कूल क्र.02 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र डौण्डी एवं ग्राम अवारी में चिक्की निर्माण इकाई का अवलोकन कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

श्री चन्द्रवाल ने दल्लीराजहरा के बीएसपी स्कूल क्र.02 में पहुँचकर खेलो इंडिया के अंतर्गत जीम प्रारंभ करने तथा विभिन्न खेल गतिविधियों के संचालन की व्यवस्था के संबंध में जानकारी ली। इसके लिए उन्होंने बीएसपी के अधिकारियों को स्कूल भवन का उचित मरम्मत और भवन को सुसज्जित कर इसका समुचित उपयोग कराने को कहा। इस दौरान उन्होंने बीएसपी स्कूल क्र.02 के खेल मैदान का अवलोकन कर इसके उपयोग के संबंध में अधिकारियों से जानकारी ली। श्री चन्द्रवाल ने स्कूल परिसर में विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्य के अंतर्गत मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य में लगे अधिकारी, कर्मचारियों से बातचीत कर उनके कार्यों के संबंध में जानकारी ली। श्री चन्द्रवाल ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र डौण्डी में पहुँचकर अस्पताल की व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने स्टाफनर्स ड्यूटी रूम में पहुँचकर अधिकारी, कर्मचारियों के उपस्थिति पंजी का अवलोकन किया। उन्होंने आज कार्य में अनुपस्थित अधिकारी, कर्मचारियों के वाजिब कारण के संबंध में खण्ड चिकित्सा अधिकारी से जानकारी भी ली। श्री चन्द्रवाल ने कार्य में अनुपस्थित अधिकारी, कर्मचारियों के विरूद्ध कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के पंजीयन कक्ष आदि का निरीक्षण कर ओपीडी एवं आईपीडी में आने वाले मरीजों की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने अस्पताल के एक्स-रे कक्ष, पैथालॉजी लैब, पोषण पुनर्वास केन्द्र आदि का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने पोषण पुनर्वास केन्द्र में भर्ती बच्चों के माताओं से बातचीत कर उनके बच्चों को मिल रहे पौष्टिक भोजन नाश्ते आदि के अलावा बच्चों के समुचित देखभाल हेतु किए जा रहे है।

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवासों का निर्माण कार्य सर्वोच्च प्राथमिकता से पूर्ण करें - कलेक्टर

श्रीकचनपथ न्यूज

कोरबा। ग्रामीण विकास विभाग की योजनाओं में प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना सबसे महत्वपूर्ण योजना है। इसके तहत पात्र हितग्राहियों के आवास सर्वोच्च प्राथमिकता से पूर्ण करायें ताकि मानसून के पूर्व हितग्राही अपने पक्के आवासों में निवास कर सके।

उक्त निर्देश कलेक्टर अजीत वसंत ने आज वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से जनपद पंचायत के सीईओ को दिए। कलेक्टर ने कहा कि पांचों जनपदों के 3240 हितग्राहियों को तृतीय किश्त दी जा चुकी है। इन सभी हितग्राहियों के आवास एक माह के भीतर पूर्ण कराना सुनिश्चित करें। इसके साथ ही स्वीकृत आवासों के निर्माण कार्य एक सप्ताह के भीतर प्रारंभ किये जायें। जिले में अब तक 64 हजार में से 51 हजार ग्रामीण आवासों का निर्माण पूर्ण कराये जा चुके हैं। शेष आवासों को अप्रैल 2024 तक पूर्ण कर लिये जायें। उन्होंने निर्देशित किया कि आवासों को पूर्ण कराने के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य करने की आवश्यकता है। आवासों को पूर्ण करने के लिए ग्राम पंचायतों के सरपंच-सचिव की जिम्मेवारी तय की जाये। इसके साथ ही जनपद पंचायत के सीईओ, एसडीओ आरईएस, सब इंजीनियर्स, तकनीकी सहायक, रोजगार सहायकों के द्वारा गहन व सतत निरीक्षण किया जाये। हितग्राहियों को उनके आवास निर्माण कार्य पूर्ण करने के लिए उन्हे प्रेरित किया जाये। प्रधानमंत्री आवास निर्माण में किसी प्रकार की कोताही न बरती जाये। इसके साथ ही प्रधानमंत्री जनमन के तहत विशेष पिछड़ी जनजाति के 255 परिवारों के लिए प्रधानमंत्री आवास ग्रामीण योजना के तहत प्रथम किस्त जारी किया गया है। इन परिवारों के आवास निर्माण भी प्राथमिकता से पूर्ण कराए जाएं। तकनीकी अधिकारियों द्वारा समन्वय करते हुए हितग्राहियों के आवास पूर्ण करने हेतु निर्माण सामग्री उपलब्ध कराने में सहयोग किया जाये। वीडियो कॉन्फ्रेंस में प्रभारी जिला पंचायत सीईओ श्री प्रदीप साहू, सहायक परियोजना अधिकारी श्रीमती अमिता साहू, जनपद पंचायत के सभी सीईओ सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर कोरबा जिले में जिला एवं विकासखण्ड स्तर पर वृहद रूप से भक्तिमय सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

इसके आयोजन हेतु कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने वीसी के माध्यम से जनपद सीईओ को जनपद मुख्यालयों और ग्राम पंचायतों में कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। ग्राम पंचायत एवं जनपद स्तर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों को ससम्मान आमंत्रित किया जाए। प्रत्येक विकासखण्ड के कम से कम एक प्रतिष्ठित मंदिर में दीप प्रज्जवलन, दीपदान एवं लाईटिंग की व्यवस्था की जाए।

ॐ साईं राम
माँ पुस्तक भंडार

होलसेल में कापी-किताब एवं स्टेशनरी सामान मिलने का एक मात्र स्थान
पुरानी एवं नई पुस्तकें खरीदी व बेची जाती है
रावणभाटा, सुपेला, भिलाई (छ.ग.)
मो. 7489051024, 7770845578

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65

Premier sales 8959493000
A Leela Electronics 9425507772
Reena Electronics 9329132299
Shree Electronics 7000827361
CONTACT
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

आरक्षक संवर्ग की सीधी भर्तीः ऑनलाईन आवेदन अब 6 मार्च तक

5967 पदों पर होगी भर्ती, अधिकतम आयु सीमा में पुरुष अभ्यर्थियों हेतु 5 वर्ष की छूट

रायपुर। पुलिस मुख्यालय छत्तीसगढ़ द्वारा जिला पुलिस बल के आरक्षक संवर्ग की भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन भरने की तिथि को 15 फरवरी से बढ़ाकर 06 मार्च 2024 को रात्रि 11.59 बजे तक कर दिया है। इसके साथ ही आरक्षक संवर्ग की भर्ती में पुरूष अभ्यर्थी हेतु निर्धारित अधिकतम आयु सीमा के अतिरिक्त 5 वर्ष की और छूट प्रदान की गई है।

उल्लेखनीय है कि पुलिस मुख्यालय, छत्तीसगढ़ व्दारा जिला पुलिस बल के आरक्षक संवर्ग के सीधी भर्ती के 5967 रिक्त पदों पर भर्ती के लिए 04 अक्टूबर 2023 को विज्ञापन जारी किया गया था। इस विज्ञापन के तारतम्य में छत्तीसगढ़ पुलिस की पद पर ऑनलाईन आवेदन भरने की तिथि 01 जनवरी 2024 से 15 फरवरी 2024 तक निर्धारित की गई थी, जिसे बढ़ाकर 6 मार्च तक कर दिया गया है।

इस संबंध में गृह (पुलिस) विभाग द्वारा जारी पत्र में उल्लेख किया गया है कि ''जिला पुलिस बल के आरक्षक संवर्ग की भर्ती में पुरूष अभ्यर्थी हेतु निर्धारित अधिकतम आयु-सीमा के अतिरिक्त एक बार के लिये 05 वर्ष की और छूट प्रदान की जाती है।'' पुलिस मुख्यालय, छत्तीसगढ़ द्वारा जिला पुलिस बल के आरक्षक संवर्ग के सीधी भर्ती के 5967 रिक्त पदों पर भर्ती के लिए 04 अक्टूबर 2023 को जारी विज्ञापन के अन्य प्रावधान पूर्वानुसार रहेंगे।

आश्रम-छात्रावास के विद्यार्थियों को टेलीविजन स्क्रीन पर लाईव दिखाया जाएगा प्रभु श्री रामलला प्राण प्रतिष्ठा समारोह

रायपुर। आदिम जाति विकास मंत्री राम विचार नेताम के निर्देश पर 22 जनवरी को अयोध्या में प्रभु श्री राम के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दौरान प्रदेश के सभी आश्रम-छात्रावासों और कार्यालयों में शंखध्वनि और घंटानाद और आरती पूजन किया जाएगा। संध्या बेला दीप प्रज्जवलित कर दीपोत्सव मनाया जाएगा। इस संबंध में मंत्रालय महानदी भवन नवा रायपुर अटल नगर स्थित आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग द्वारा राज्य के सभी जिलों के सहायक आयुक्तों को पत्र जारी कर दिया गया है।

गौरतलब है कि 22 जनवरी 2024 को अयोध्या में आयोजित श्री रामलला प्राण प्रतिष्ठा समारोह के उपलक्ष्य में प्रभु श्री राम के बाल रूप विग्रह को श्री राम जन्म भूमि पर बन रहे भूतल के गर्भग्रह में विराजित कर प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। सहायक आयुक्तों को निर्देशित किया गया है कि आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग प्राण प्रतिष्ठा समारोह के एक दिन पहले 21 जनवरी को विभाग के आश्रम, छात्रावास, प्रयास/एकलव्य विद्यालय एवं कीड़ा परिसर सहित अन्य सभी कार्यालयों और भवन परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा।

22 जनवरी के दिन सवेरे 11 बजे से दोपहर 1 बजे के मध्य आश्रम-छात्रावासों व कार्यालयों में टेलीविजन/एल.ई.डी. स्कीन लगाकर अयोध्या के प्राण प्रतिष्ठा समारोह को दिखाये जाने को कहा गया है।

खेल के माध्यम से खुशी, संस्कृति और दोस्ती का संगमः मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

■ **राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता का नागपुर में किया उद्घाटन**

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि एकल अभियान ने देश के आदिवासी क्षेत्र में बड़ा योगदान दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने खेलो इंडिया के जरिए ग्रामीण इलाकों में हुनर को आगे लाने का काम किया। शिक्षा के साथ-साथ खेल भी महत्वपूर्ण हैं और खेलों के माध्यम से खुशी, संस्कृति और दोस्ती का संगम होता है। मुख्यमंत्री साय नागपुर के राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज विश्वविद्यालय, लॉ कॉलेज स्टेडियम में आयोजित एकल अभियान राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता के उद्घाटन समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। प्रतियोगिता में देशभर से 1200 से अधिक एथलीटों ने हिस्सा लिया है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कार्यक्रम में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अनुसूचित जनजाति वर्ग के विकास के लिए विशेष ध्यान दिया है। उन्होंने सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास को ध्येय वाक्य मानकर सबके विकास का काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री जनमन योजना 15 नवम्बर 2023 से देश में संचालित है। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि विशेष पिछड़ी अनुसूचित जनजाति के लोग हैं, उन्हें राष्ट्रपति का दत्तक पुत्र भी कहा जाता है, जो विकास की दृष्टि से और भी पीछे हैं इनके लिए अलग से प्रधानमंत्री जनमन अभियान प्रधानमंत्री ने शुरू की है। इसमें सैकड़ों अनुसूचित जनजाति के लोग विशेष पिछड़ी अनुसूचित जनजाति में आते हैं। तीन वर्षों में इनके विकास के लिए योजना तैयार की गई है। प्रधानमंत्री ने यह योजना 23 नवम्बर 2023 से प्रारंभ की। इसमें 11 योजनाओं पर फोकस करते हुए इसकी जिम्मेदारी भारत सरकार के 9 मंत्रालयों को दी गई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का संकल्प है कि इन वर्गों की जहां भी बसाहट है सबसे पहले उनकी बसाहट आवागमन से जुड़ जाए। सबका आधार कार्ड बने, सभी के घरों में बिजली पहुंचे, जल जीवन मिशन के अंतर्गत नल के द्वारा पानी पहुंचे, सबके पास गैस का सिलेण्डर उपलब्ध हो, सबका प्रधानमंत्री आवास में मकान बन जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन सभी 11 योजनाओं का परिणाम बहुत अच्छा देखने को मिला है। आने वाले समय में विशेष पिछड़ी अनुसूचित जनजाति के लोगों का बहुत विकास होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के राष्ट्रपति का सर्वोच्च पद पर द्रौपदी मुर्मु को नियुक्त कर आदिवासी समाज का गौरव बढ़ाया है। पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी ने छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण किया। उनकी सोच के अनुसार छोटा राज्य निर्माण से प्रदेश का तेजी से विकास हो रहा है।

इससे पहले अतिथियों ने भारत माता की प्रतिमा का पूजन किया। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सुभाष चौधरी ने खिलाड़ियों को शपथ दिलाई। विशेष अतिथि विशाल अग्रवाल ने खेल मशाल स्थापित कर खेल ध्वज फहराया। इस मौके पर उपस्थित सभी गणमान्य लोगों ने खिलाड़ियों को बधाई दी।

एकल अभियान के राष्ट्रीय संगठन प्रभारी माधवेंद्र सिंह ने कहा, एकल अभियान के माध्यम से ग्रामीण वनवासी बच्चों को आगे लाने का काम किया जा रहा है। विश्वास है कि भारत भविष्य में विश्व का नेतृत्व करेगा। एकल अभियान ग्रामीण क्षेत्रों में आदिवासी बच्चों को शिक्षित करने का काम कर रहा है। इसकी शुरुआत झारखंड राज्य के धनबाद से हुई। आज इसने विशाल स्वरूप ले लिया है और के 31 प्रदेशों में कार्य पहुंच चुका है। कार्यक्रम को कार्यक्रम के अध्यक्ष एमईसीएल के सीएमडी इंद्र देव नारायण और विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सुभाष चौधरी ने भी सम्बोधित किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने उपस्थित सभी खिलाड़ियों से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की और उन्हें शुभकामनाएं दीं। प्रतियोगिता में पूर्वी उत्तर पूर्व, पश्चिम उत्तर पूर्व, दक्षिण उत्तर पूर्व, बंगाल, ओडिशा, छत्तीसगढ़, उत्तरी झारखंड, दक्षिणी झारखंड, उत्तरी बिहार, दक्षिणी बिहार, पूर्वी उत्तर प्रदेश, दक्षिणी उत्तर प्रदेश, मध्य उत्तर प्रदेश, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, ब्रज मंडल, पंजाब, उत्तरी हिमाचल, दक्षिणी हिमाचल, जम्मू, कश्यप, राजस्थान, मध्य भारत, महाकौशल्या, गुजरात, महाराष्ट्र, दक्षिणी तेलंगाना, उत्तरी तेलंगाना, आंध्र, कर्नाटक आदि विभाग के खिलाड़ियों ने भाग लिया है।

जिसका लोगों से मेल-मिलाप नहीं छूटता, उसकी लीडरशिप होती है पक्कीः केन्द्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जिसका जनसंपर्क नहीं छूटता, लोगों से मेल-मिलाप नहीं छूटता, उसकी लीडरशिप पक्की होती है। इसलिए लोगों से खूब मिलिये, जितना संपर्क बढ़ाएंगे, आपको परिस्थितियों के बारे में उतना ही अधिक फीडबैक मिलेगा और आप अपने कार्यों का बेहतर तरीके से संचालन कर सकते हैं। विधानसभा में प्रबोधन कार्यक्रम में केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने विधायकों को यह संदेश दिया। डॉ. मांडविया ने कहा कि आप सभी अध्ययनशील हो, खूब पढ़ें, जब अपनी बात रखनी हो तो बहुत से संदर्भ दें। इसके लिए राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय और स्थानीय परिस्थितियों पर नजर रखें। हमेशा किसी विषय पर बात रखने के लिए उसके संदर्भ में पढ़ी गई चीजों को उद्धृत करें। सबसे ज्यादा आपका जनसंपर्क बढ़िया होना चाहिए, एक अच्छे लीडर का जनसंपर्क शानदार होता है। सोशल मीडिया के उपयोग के संदर्भ में उन्होंने कहा कि आज के समय में सोशल मीडिया का उपयोग बहुत जरूरी है। इसके माध्यम से आप अपनी बात बहुत से लोगों तक प्रभावी रूप से पहुंचा सकते हैं। योजनाओं की जानकारी की पहुंच का भी यह अच्छा माध्यम है। इसके लिए सोशल मीडिया का खूब उपयोग करें। मंत्री ने कहा कि विधानसभा में आपकी उपस्थिति शत-प्रतिशत होनी चाहिए। इससे विधानसभा में आने वाले सभी मुद्दों की आपको गहरी समझ रहेगी। साथ ही आप विभिन्न वक्ताओं के पक्ष भी इसके माध्यम से जान पाएंगे और किसी भी मुद्दे के बारे में अनेक प्रकार के विचार अथवा अभिव्यक्ति जान सकेंगे।

डॉ. मांडविया ने कहा कि भारत विश्व का सबसे प्राचीन लोकतंत्र है। हम जितना मेहनत करेंगे, हमारा लोकतंत्र उतना ही मजबूत होगा। हमें सोसायटी को भी मजबूत करने की दिशा में काम करना होगा। हमारी सोसायटी जितनी मजबूत होगी, हमारा लोकतंत्र मजबूत होगा। हम यदि अपने प्राचीन साहित्य का और इतिहास का अध्ययन करें तो लोकतांत्रिक परंपराएं हमारे इतिहास का गहरा हिस्सा रही हैं। साहित्य और इतिहास के अनेक किस्से हमें बताते हैं कि भारत में लोकतांत्रिक परंपराओं की जड़े बहुत गहरी रही हैं।

डॉ. मांडविया ने विधायकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जितनी रुचि से वे विधानसभा की कार्यवाही में मन लगाएंगे, वे अपने क्षेत्र का उतना ही बेहतर तरीके से प्रतिनिधित्व कर पाएंगे।

केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया ने महामाया मंदिर में लगाया पोछा

फिल्म 695 के पोस्टर का किया विमोचन

रायपुर। अयोध्या में भगवान राम का भव्य मंदिर बनकर तैयार हो रहा है। 22 जनवरी को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। इससे पहले पीएम नरेंद्र मोदी ने बीते दिनों मंदिर में साफ-सफाई की और सफाई अभियान की शुरुआत की थी। इसी कड़ी में केंद्रीय स्वास्थ्य व परिवार कल्याण मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया राजधानी रायपुर के महामाया मंदिर पहुंचे। केंद्रीय मंत्री मांडविया ने महामाया मंदिर में सफाई अभियान में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने मंदिर में साफ-सफाई की और मंदिर में पोछा भी लगाने का काम किया।

इसके बाद केंद्रीय मंत्री मांडविया ने महामाया मंदिर में दर्शन कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। स्वच्छता अभियान में उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, वन मंत्री केदार कश्यप, वित्त मंत्री ओपी चौधरी, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल और रायपुर सांसद सुनील सोनी भी उपस्थित थे।

केन्द्रीय मंत्री डॉ. मांडविया ने श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के 500 सालों के संघर्ष की गाथा पर आधारित हिंदी फिल्म 695 के पोस्टर का विमोचन भी किया। महामाया मंदिर ट्रस्ट के सचिव व्यास नारायण तिवारी ने सभी आगुन्तकों को चुनरी ओढ़ाकर सम्मान किया और महामाया माता जी वाला चांदी का सिक्का स्मृति स्वरूप भेंट किया। इस अवसर पर बॉलीवुड अभिनेता अशोक सामर्थ्य सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि और बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

श्री राम मंदिर से जुड़े 500 वर्षों के इतिहास पर ऐतिहासिक लाइव प्रस्तुति के गवाह बने राजधानीवासी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। श्रीराम जन्मभूमि से जुड़े 500 वर्षों के इतिहास की गाथा की प्रस्तुति राजधानी रायपुर स्थित पुलिस ग्राउंड में दी गई। राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन एवं संस्कृति, धर्मस्व एवं पर्यटन मंत्री बृजमोहन अग्रवाल की विशेष उपस्थिति में छत्तीसगढ़ संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में उपस्थित होकर राजधानी की जनता ने गाथा श्रीराम मंदिर की संगीतमय लाइव प्रस्तुति का आंनद लिया। यहां मुम्बई से आए मोहित शिवानी के हृदय बैंड ने गाथा प्रस्तुति के क्रम में 500 साल पहले आक्रांताओं द्वारा मंदिर तोड़े जाने और इसके बाद से शुरू श्रीराम जन्मभूमि को मुक्त कराने के संघर्ष की गाथा सुनाई। इस 75 मिनट की गाथा में अयोध्या में

श्रीराम मंदिर के 2000 से अधिक वर्षों के इतिहास की संगीतमय प्रस्तुति दी गई।

संगीतमय गाथा की प्रस्तुति श्रीराम जन्म से शुरू होकर अयोध्या पर हुए आक्रांताओं के तमाम हमलों और अयोध्या के रक्षकों की चर्चा हुई। इस गाथा के जरिए हर उस महत्वपूर्ण व्यक्ति का उल्लेख किया गया, जो अयोध्या और श्रीराम मंदिर से सम्बद्ध है। साथ ही राजा विक्रमादित्य और माँ अहिल्याबाई होल्कर द्वारा मंदिर के जीर्णोद्धार, बैरागी साधुओं के संघर्ष, गर्भगृह से रामलला का निकाला जाना, गर्भगृह में रामलला का प्रकट होना, कार सेवक, कोठारी बन्धुओं के बलिदान, राजनीतिक उथल-पुथल और वर्तमान निर्माणाधीन मंदिर की भव्यता, दिव्यता और उसके पीछे केंद्र और राज्य सरकार के संकल्प का चित्रण किया गया।

संगीतमय श्रीराम गाथा में श्रीराम चंद्र कृपालु भज मन, हमारे साथ श्री रघुनाथ, हनुमान चालीसा जैसे अनेक भक्तिमय भजनों की प्रस्तुतियों से पूरा माहौल राममय हो गया। उपस्थित जन तालियों की थाप के बीच राम भजन से मंत्रमुग्ध हुए।

इस अवसर पर कृषि मंत्री रामविचार नेताम, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री टंकराम वर्मा, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष प्रेमप्रकाश पांडेय, पूर्व नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक, विधायक उद्धेश्वरी पैकरा, विधायक रोहित साहू, विधायक अनुज शर्मा, गुरु खुशवंत साहेब उपस्थित रहे। बृजमोहन अग्रवाल ने इस भव्य आयोजन के लिए आयोजक, प्रस्तुतकर्ता और उनकी पूरी टीम को बधाई दी।

राज्य बाल कल्याण परिषद की सभी शाखाओं में 22 को अवकाश

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य बाल कल्याण परिषद के अध्यक्ष व केबिनेट मंत्री बृजमोहन अग्रवाल के निर्देश पर बैठक में निर्णय लिया गया की 500 वर्षों की लड़ाई के बाद आध्यात्मिक स्वतंत्रता प्राप्ति के उपरांत अयोध्या में राम जन्मभूमि स्थित नवनिर्मित मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के शुभ अवसर पर संस्था द्वारा संचालित सभी उपक्रम में अवकाश घोषित किया गया है। उक्ताशय की जानकारी देते हुए छत्तीसगढ़ राज्य बाल कल्याण परिषद के संयुक्त सचिव राजेन्द्र निगम ने बताया कि इस अवसर पर सभी संस्थाओं में दीपोत्सव एवं लाइटिंग करने का निर्णय किया गया। सभी कर्मचारियों को मिठाई भी वितरित की जायेगी। संस्था प्रमुखों को शनिवार को परिषद के पदाधिकारियों ने मिष्ठान का वितरण भी किया।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

खासकर सर्दियों में शरीर के लिए मालिश होता है फायदेमंद, जानें इसे करने का नियम

मालिश करने के कई अनके फायदे मिले हैं। आयुर्वेद के मुताबिक शरीर पर मालिश करने के कई सारे फायदे होते हैं। बड़े हो या बच्चे मालिश का खास महत्व है। सर्दियों में शरीर में दर्द भी होने लगते हैं जिसके कारण शारीरिक स्वास्थ्य बेहद जरूरी है। शरीर को डिटॉक्स करने के लिए और मांसपेशियों को मजबूत करने के लिए मालिश बेहद जरूरी है। मालिश से मांसपेशियों की ऐंठन और दर्द दोनों कम होने लगता है। साथ ही साथ चिंता, तनाव और डिप्रेशन भी कम होने लगता है। मालिश करने से शरीर की थकान भी दूर हो जाती है। और नींद भी अच्छी आती है। यह बीपी कंट्रोल करने के साथ-साथ नींद के लिए भी अच्छा होता है।

मालिश करने के अनेक फायदे हैं। आज आपको बताते हैं मालिश के दौरान इन गलतियों को बिल्कुल भी न करें।

नहाने से पहले तेल से करें मालिश

सर्दियों में अगर आप नहाने से पहले मालिश करेंगे तो शरीर में गर्मी बनती है। ऐसा करने से आपको ठंड नहीं लगेगा। इससे शरीर से टॉक्सिन्स भी निकलता है और गंदगी भी बाहर निकलती है।

नहाने के बाद घी का करें इस्तेमाल

नहाने के बाद घी से शरीर को मालिश करें। एक चम्मच घी लें और उसे शरीर के अलग-अलग हिस्सों में लगाएं। इससे आपकी त्वचा ग्लो करेगी। साथ ही शरीर से खुशबू आएगी और चेहरे का तेज बढ़ेगा। नहाने के बाद अगर तेल लगा लेंगे तो चिपचिपा फिल होगा।

रात में मालिश करें तो यह तरीका अपनाएं

सर्दियों में रात के वक्त मालिश करके के आराम से गर्म पानी से नहा सकते हैं। अगर रात के वक्त घी से शरीर का मालिश करेंगे तो घी त्वचा पर जम जाएगा। जिसके कारण बीमार पड़ने के चांसेस बढ़ जाते हैं।

मालिश करने के बाद नॉर्मल पानी से नहाएं

नहाने से आधा घंटा पहले मालिश करें और उसके बाद ही नहाएं। नहाने के लिए सादे पानी का इस्तेमाल करें। ठंडा पानी का नहीं। नॉर्मल पानी से नहाएंगे तो शरीर को कई तरह से फायदा होगा।

क्या आपको भी हो जाते हैं बार-बार छाले? तो हल्के में न लें, हो सकती हैं ये पांच गंभीर बीमारियां

वैसे तो मुंह में छाले होना एक सामान्य समस्या है, जो कई बार उटपटांग खाने से या पेट की खराबी से हो सकती है। लेकिन अगर आपको बार-बार मुंह में छाले हो जाते हैं और यह गले तक उतर आते हैं तो आपको सावधान हो जाने की जरूरत है, क्योंकि यह मुंह के छाले कुछ गंभीर बीमारियों की ओर इशारा करते हैं, जिसे आपको बिल्कुल भी नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। तो चलिए हम आपको बताते हैं उन पांच गंभीर बीमारियों के बारे में जो मुंह के छालों से संबंधित होती है।

हेलिकोबैक्टर पाइलोरी इन्फेक्शन

एच। पाइलोरी एक जीवाणु है जो पेट और छोटी आंत की परत को संक्रमित कर सकता है, जिससे अल्सर होते है।

गैस्ट्रोएसोफेगल रिफ्लक्स (जीईआरडी)

जीईआरडी एक ऐसी स्थिति है जहां पेट का एसिड बार-बार ग्रासनली में वापस चला जाता है, जिससे ग्रासनली की परत में जलन और संभावित अल्सर हो जाता है।

जोलिंगर-एलिसन सिंड्रोम

इस रेयर बीमारी में अग्न्याशय या गैस्ट्रिनोमा का विकास होने लगता है, जिससे पेट में एसिड का प्रोडक्शन बढ़ जाता है। बॉडी में एसिड पेट और छोटी आंत में कई अल्सर का कारण बन सकता है।

कैंसर

कई गंभीर मामलों में, अल्सर पेट या गैस्ट्रिनोमा के कैंसर से जुड़ा हो सकता है। अगर लंबे समय तक जलन और सूजन बनी रहती है, तो ये कैंसर सेल्स को बढ़ा सकती है। आमतौर पर मुंह और गले के कैंसर होने पर होंठ, तालु, मुंह के अंदर, जीभ, टॉन्सिल या गले के पीछे की ओर छाले या कैंसर की गांठे हो जाती है।

एनीमिया

जी हां, जिन लोगों को बार-बार मुंह में छाले होते हैं वह एनीमिक भी हो सकते हैं, क्योंकि विटामिन बी12 की कमी के कारण मुंह में जलन और बार-बार छाले हो जाते है। एनीमिया एक ऐसी स्थिति है, जिसमें शरीर में से खून की मात्रा कम होने लगती है और शरीर में रेड ब्लड सेल्स की कमी हो जाती है।

क्रिस्टल डिसूजा ने बढ़ाया इंटरनेट का पारा

छोटी सी ड्रेस में दिए एक से एक पोज

टीवी एक्ट्रेस क्रिस्टल डिसूजा पिछले कुछ समय से लगातार अपने लुक्स के कारण काफी चर्चा में बनी हुई हैं। लगभग हर दिन एक्ट्रेस का एक नया और सिजलिंग लुक सोशल मीडिया पर वायरल हो जाता है। ऐसे में जहां एक क्रिस्टल के फॉलोअर्स की लिस्ट लंबी होती जा रही है, वहीं फैंस को उनके हर नए लुक का बेसब्री से इंतजार भी रहता है। हालांकि, क्रिस्टल भी इस मामले में कभी अपने फैंस को निराश नहीं करतीं। इसी बीच अब उन्होंने फिर अपनी अदाओं से चाहने वालों के दिलों की धड़कनें तेज कर दी हैं।

क्रिस्टल ने कुछ देर पहले ही अपने इंस्टाग्राम पेज पर अपने नए लुक की कुछ फोटोज शेयर की हैं। इसमें एक्ट्रेस रेड कलर की वन शोल्डर शॉर्ट ड्रेस पहने हुए नजर आ रही हैं। उन्होंने अपने इस लुक को सटल शाइनी बेस, न्यूड रेड लिप्स और मिनिमल आई मेकअप से कंप्लीट किया है। इसके साथ क्रिस्टल ने अपने बालों को सॉफ्ट कर्ल्स टच देकर ओपन हेयर स्टाइल बनाया है।

क्रिस्टल ने इस शॉर्ट आउटफिट के साथ लॉन्ग ब्राउन बूट्स कैरी किए हैं। वहीं, एक्सेसरीज के तौर पर एक्ट्रेस ने कानों में हूप ईयररिंग्स पहने हैं। क्रिस्टल हमेशा की तरह इस लुक में भी बेहद खूबसूरत और स्टनिंग दिख रही हैं। कुछ ही देर में उनका ये नया लुक भी फैंस के बीच वायरल होने लगा है। उन्होंने इस गॉर्जियस लुक को कैमरे के सामने फ्लॉन्ट करते हुए किलर पोज दिए हैं।

दूसरी ओर क्रिस्टल के वर्क फ्रंट की बात करें तो पिछले काफी समय वह किसी प्रोजेक्ट के लिए साइन नहीं कर रही है। पिछली बार उन्हें 2022 में आई मल्टी स्टारर फिल्म विस्फोट में देखा गया था। अब क्रिस्टल के चाहने वाले उन्हें फिर से पर्दे पर देखने के लिए काफी उत्साहित हैं।

40 के बाद कुछ इस तरह रखें अपनी आंखों का ख्याल

तेरी आंखों के सिवा दुनिया में रखा क्या हैं 'इस तरह के ना जाने कितने गाने आपने जवानी में अपनी आंखों के लिए सुने होंगे या किसी के लिए गाये होंगे। लेकिन ढलती उम्र के साथ आपकी आंखों कि खूबसूरती भी मानो खोने लगती है। हमारी आंखें चेहरे की खूबसूरती में चार चांद लगा देती हैं। लेकिन बढ़ती उम्र के साथ चेहरे की रंगत तो खोती ही है साथ में आंखों पर काले घेरे, झाई, आंखों का अंदर की तरफ जाना सभी के लिए आम बात है लेकिन कुछ लोग समय रहते अपने चेहरे व आंखों का ख्याल कर लेते है और कुछ लापरवाही करते हैं। आंखों के पास की स्किन हमारे चेहरे की स्किन से काफी नाजुक होती है जिस कारण बढ़ती उम्र, तनाव, अच्छी नींद ना लेना, डाइट सही ना लेना, विटामिन सी की कमी होने का असर बहुत जल्दी हमारी आंखों पर दिखने लगता है। इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे टिप्स बताने जा रहें हैं जिस के जरिए आप अपनी आंखों की खूबसूरती को लम्बे समय तक बरकरार रख सकते हैं और यह परेशानी कोई जेंडर देख कर नहीं होती इसलिए आप महिला हैं या पुरुष दोनों में से कोई भी इन टिप्स को फॉलो कर सकते हैं।

आहार पर दे ध्यान

40 की उम्र में अपनी आंखों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए सबसे ज्यादा जरूरी है सही डाइट लेना। गाजर, आंवला, मछली, अड़े जैसे पर्दार्थ के साथ ओमेगा - 3 फैटी एसिड, विटामिन सी और विटामिन ई से भरपूर पर्दार्थ अपनी डाइट में शामिल करें। इनसे आंखों की रौशनी भी बढ़ती है और साथ ही चेहरे और आंखों को झाई से भी बचाते हैं।

सही क्रीम व मॉइश्चराइजर का प्रयोग

आंखो के आस पास झाई या काले घेरे होने लगे हैं तो विटामिन सी युक्त क्रीम का प्रयोग करें। विटामिन सी स्किन को ऑक्सीडेटिव डैमेज होने से बचाता हैं व

स्किन को स्ट्रॉन्ग भी बनाता है। दिन में दो से तीन बार स्किन को मॉइस्चरइज़ अवश्य करें इससे स्किन हाइड्रेट रहती है। बादाम के तेल या नारियल के तेल से आंखों के पास अच्छे से मसाज करें क्योंकि इस में विटामिन ई होता हैं जिससे आंखों की एक्सरसाइज भी हो जाती हैं और उन्हें काले घेरे, अंदर की तरफ जाने से बचाने में मदद करता है।

एलोवेरा हैं गुणकारी

एलोवेरा एंटी-इन्फ्लेमेटरी गुणों से भरपूर होता है आंखों के पास से स्किन को साफ कर ले और एलोवेरा पल्प से अच्छे से मसाज कर के 15 मिनट बाद धो दे इससे स्किन भी रिपेयर होंगी। साथ ही आंखों में जलन व खुजली से भी राहत मिलेगी।

स्क्रीन से दूरी बनाए

आज के समय में हम फोन, कम्प्यूटर का अत्यधिक उपयोग करते हैं जिससे स्क्रीन टाइम बहुत ज्यादा बढ़ने लगा है और आंखों पर अधिक दबाव बना रहता है इसलिए फोन का प्रयोग कम करें और यदि जरूरी भी हैं तो आंखों को हर 30 मिनट बाद आराम दे व पानी से धोए।

चेक अप अवश्य कराएं

40 की उम्र के बाद परेशानी ना होने पर भी ग्लूकोमा की जांच कराएं और यदि किसी के परिवार में मधुमेह, उच्च रक्तचाप के रोगी हैं या खुद पीड़ित हैं तो हर 6 महीने में आंखों की जाँच अवश्य कराएं।

कर्मा कॉलिंग: भूमिका पाने के लिए नम्रता सेठ को करना पड़ा कड़ा मुकाबला

कर्मा कॉलिंग में मुख्य भूमिका निभाने वाली अभिनेत्री नम्रता सेठ ने बताया कि इस भूमिका को हासिल करने के लिए उन्हें कड़ी प्रतिस्पर्धा करनी पड़ी। भूमिका पाने के बारे में बात करते हुए नम्रता ने कहा, मुझे कई दौर के ऑडिशन से गुजरना पड़ा। यह एक ऐसी भूमिका थी, जिसे मैं वास्तव में करना चाहती थी। मुझे इससे बहुत जुड़ाव महसूस हुआ, जब रूचि मुझसे मिली, तो उसे तुरंत लगा कि मैं कर्मा हो सकती हूं। उसने मुझमें चरित्र देखा। कर्मा कॉलिंग में नम्रता रवीना टंडन से भिड़ती नजर आएंगी। इस बारे में बात करते हुए नम्रता ने कहा, इसमें बहुत सारी तैयारी शामिल थी, मैं इस भूमिका को निभाने के लिए तैयार थी। मैं सेट पर पहुंची, यह बहुत ही रोचक था। कर्मा कॉलिंग 26 जनवरी को डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर रिलीज होगी।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:- 9303289950

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

वार्षिक खान सुरक्षा पखवाड़ा में कुसमुंडा एरिया बना सिरमौर

कोरबा। कोल इंडिया के सभी अनुषंगी कंपनियों में वार्षिक खान सुरक्षा पखवाड़ा का आयोजन किया जाता है। जिसमें सभी क्षेत्रों की समीक्षा, उत्पादन और उत्पादकता के दौरान डीजीएमएस के नियमों को ध्यान में रखते हुए किया जाता है। जिसके तहत समुचित जीरो टॉलरेंस दुर्घटना साथ ही अन्य कई मापदंडों में निरीक्षण उपरांत उन क्षेत्रों को उत्कृष्ट प्रदर्शन के क्रमानुसार वार्षिक सुरक्षा कार्यक्रम में पुरस्कृत किया जाता है। इसी कड़ी में इस वित्तीय वर्ष 2023-24 के वार्षिक खान सुरक्षा पखवाड़ा का आयोजन की जिम्मेदारी एसईसीएल दीपका क्षेत्र को दी गई। आयोजन में एसईसीएल की सभी तेरह क्षेत्रों से 61 खदान की टीम और 11 गैर एसईसीएल की टीम प्रतिभागी रही, जिसमें कुसमुंडा क्षेत्र को अलग अलग कार्यों में अपनी उत्कृष्टता दिखते हुए पहले तीन पायदान में पांच पुरस्कार प्राप्त हुए, वहीं ओवर ऑल में पहला स्थान हासिल करते हुए अपना परचम लहराया है। जिससे क्षेत्र के अधिकारियों दृ कर्मचारियों में हर्ष व्याप्त है। जहां एक ओर कुसमुंडा क्षेत्र ने उत्पादन लक्ष्य को हासिल करने में अपने नाम को शीर्ष पर रखा हुआ है। वही सुरक्षित खनन में भी कीर्तिमान गढना मील का पत्थर साबित होने से कम होना नही है। इस अवसर पर कार्यकारी महाप्रबंधक राजीव सिंह के नेतृत्व में क्षेत्र के संयुक्त सलाहकार समिति के सदस्य और खनन संवर्ग के अधिकारी व कर्मचारियों ने पुरस्कार प्राप्त किया।

हर कहीं मिला अपनापन, आसान हुआ सफर, 21 दिन पद यात्रा कर कोरबा से पहुंचे अयोध्या

कोरबा। सच ही कहां गया है कि सपना होने के साकार होते हैं जिनके पंखों में जान होती है। 700 किलोमीटर पैदल चलकर मंजिल प्राप्त करना किसी सपने से कम नहीं। औद्योगिक नगर कोरबा से शुरू हुई पदयात्रा उत्तर प्रदेश के अवध मंडल के मुख्यालय और श्री राम की नगरी अयोध्या में पूर्ण हुई। 9 युवक इस यात्रा में सहभगी बने। अयोध्या से लौटे कृष्णा वैष्णव ने बातचीत के दौरान अपने अनुभव साझा किए हर कहीं लोगों से गजब का अपनापन प्राप्त हुआ जिससे कुछ भी अजीब नहीं लगा। 25 वर्षीय कृष्णा नगर पालिका निगम के वार्ड संख्या 12 के अंतर्गत अमरैयापारा के निवासी हैं, जिन्होंने जीवन में पहली बार इतनी लंबी पदयात्रा की। कभी कल्पना नहीं की थी कि इस तरह की यात्रा करना संभव होगी लेकिन इसे पूरा करने के साथ विशेष संतुष्टि है। 26 दिसंबर को पूजा पाठ के साथ उनकी टीम उत्तर प्रदेश के अयोध्या के लिए रवाना हुई। कोरबा जिले से लेकर सूरजपुर, अंबिकापुर, बलरामपुर जिले में जहां कहीं से पदयात्रा करने वाले निकले, वहां के लोगों ने उत्साह के साथ स्वागत सत्कार किया और भगवान का जय घोष किया। राष्ट्रीय संगठन की व्यवस्था के अंतर्गत यात्रियों को हर क्षेत्र में अपेक्षित सहयोग प्राप्त हुआ। बलरामपुर जिले के धनबार अंतरराज्यीय जांच नाका में उन्होंने आश्रय लिया। अगली सुबह वे उत्तर प्रदेश की सीमा में प्रवेश हुए। जमीन वही, पेड़ पौधे वही, साइन बोर्ड अलग थे। भाषा कुछ अलग पर मन में सीधे उतरने वाली। हमारे जैसे भोले भाले लोग। मालूम हुआ कि रामभक्त अयोध्या जा रहे है तो भीड़ हमारे साथ। फिर स्वागत भी। हर स्थान पर लोगों के अपनेपन ने हृदय को पुलकित कर दिया।

समय पर संचालित हो आंगनबाड़ी केन्द्र और योजनाओं का मिले बच्चों, महिलाओं को लाभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कलेक्टर अजीत वसंत ने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में महिला एवं बाल विकास विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं की गहल समीक्षा की। उन्होंने निर्देशित किया कि जिले में सभी आंगनबाड़ी केंद्र निर्धारित समय अनुसार संचालित हो और शासन द्वारा निर्धारित गाइडलाइन अनुसार योजनाओं का क्रियान्वयन सुनिश्चित हो। कलेक्टर ने आंगनबाड़ी केंद्रो के माध्यम से बच्चों, गर्भवती महिलाओं, किशारी बालिकाओं को योजनाओं से लाभान्वित करने के निर्देश देते हुए आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों की संख्या बढ़ाने और नोनी सुरक्षा योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना में प्रगति लाने के निर्देश देते हुए कहा कि पात्र हितग्राहियों का पंजीयन अनिवार्य रूप से कराए जाए और सेचुरेशन मोड में काम करते हुए इसमें प्रगति लाए। उन्होंने भवनविहीन, विद्युतविहीन, जर्जर आंगनबाड़ी केंद्रों की तस्वीर बदलने की दिशा में पहल करते हुए सभी केंद्रों की जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए हैं।

महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा बैठक में कलेक्टर ने विभाग द्वारा संचालित सभी योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने निर्देशित किया कि आगंनबाड़ी केंद्र समय पर खुलने और बंद होने के साथ बच्चों की उपस्थिति पर्याप्त हो। केंद्र में कोई कार्यकर्ता, सहायिका एवं सेक्टर सुपरवायजर बिना लिखित सूचना व अनुमति के मुख्यालय व कार्यक्षेत्र से अनुपस्थित न रहे, इसका ध्याान रखा जाए। उन्होंने सेक्टर सुपरवायजर, सीडीपीओ और डीपीओ को अपने-अपने अधीनस्थ की मॉनिटरिंग करते हुए विभागीय योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन पारदर्शिता और शासन द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने आंगनबाड़ी केंद्रों के संचालन में बाल विकास परियोजना अधिकारी और सेक्टर पर्यवेक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण होने की बात कहते हुए निर्देशित किया कि पर्यवेक्षक लगातार फील्ड पर निरीक्षण करे और कम से कम 15 दिवस के भीतर एक केंद्र का दो बार निरीक्षण अवश्य करें।

उन्होंने बिना सूचना के अनुपस्थित आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं पर्यवेक्षकों पर कार्यवाही के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने सभी सेक्टर सुपरवायजरों को पोषण ट्रेकर एक्ट में जानकारी इंट्री करने, हितग्राहियों का आधार सत्यापन करने, शाला त्यागी किशोरी बालिकाओं की जानकारी दर्ज करते हुए पोषण आहार उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए। उन्होंने महिला जागृति शिविर, सक्षम योजना, छत्तीसगढ़ महिला कोष की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि सक्षम योजना एवं अन्य वित्तीय सहायता जरूरतमंद और पात्र महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रदान किया जाये। नवा विहान योजना, सखी वन स्टाप सेंटर, मिशन वात्सल्य की समीक्षा करते हुए बाल संप्रेक्षण गृह की सतत निगरानी करने और शासन द्वारा निर्धारित योजनाओं, सुविधाओं का लाभ बच्चों को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने विभाग से जुड़े अपने अधीनस्थ अधिकारियों-कर्मचारियों के अवकाश, चिकित्सा, यात्रा भत्ता आदि आवेदनों का भी समय सीमा पर निराकरण के निर्देश दिए। कलेक्टर अजीत वसंत ने महिला एवं बाल विकास विभाग की समीक्षा बैठक में निर्देशित किया कि कुपोषण एक गंभीर समस्या है। हम सभी को यह जिम्मेदारी लेनी होगी कि कोई बच्चा कुपोषण का शिकार न रहे, इस दिशा में काम करते हुए आंगनबाड़ी केद्रों के माध्यम से उन्हें समय पर गरम भोजन, अण्डा, फल और पूरक पोषण आहार उपलब्ध कराना जरूरी है।

केन्द्र शासन की योजनाओं का लाभ उठा रहे जिलेवासी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। विकसित भारत संकल्प यात्रा केन्द्र शासन की योजनाओं को प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचाने के उद्देश्य से चलाई जा रही है, ताकि योजनाओं का लाभ लक्षित हितग्राहियों तक समयबद्ध तरीके से मिल सके। विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम के माध्यम से एक स्थान पर शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जा रही है और छूटे हुए हितग्राहियों को शासकीय योजनाओं से जोड़कर लाभान्वित किया जा रहा है। इसी कड़ी में अब तक हुए 456 ग्राम पंचायतों में शिविर के दौरान 45 हजार 443 लाभार्थियों ने केन्द्र शासन की योजनाओं से मिले लाभ को विकसित भारत संकल्प यात्रा में मेरी कहानी-मेरी जुबानी के माध्यम से अनुभव साझा कर रहे है।

विकसित भारत संकल्प यात्रा से जरूरतमंदों को मिल रहा फायदा जिले में विकसित भारत संकल्प यात्रा के माध्यम से सभी जरूरतमंदों को फायदा मिल रहा है। आयुष्मान भारत योजना के तहत नि:शुल्क चिकित्सा सेवा हो, उज्ज्वला योजना के तहत मिलने वाला फ्री गैस चूल्हा अथवा अन्य योजनाओं के तहत हर जरूरतमंदों तक लाभ पहुंच रहा है। शिविर के दौरान अधिकारी और कर्मचारी यहां उपलब्ध रहते हैं, जो केंद्र सरकार की सभी योजनाओं से लोगों को जोड़ते हैं। विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान ग्राम पंचायत में आयोजित शिविर में ऐसे सभी लाभार्थी जिन्हें केन्द्र सरकार की योजनाओं का लाभ मिला है वे मेरी कहानी-मेरी जुबानी के माध्यम से अपना अनुभव साझा कर रहे है। इसी कड़ी में धरमजयगढ़ विकासखण्ड के श्रीमती लीलावती राठिया ने बताया कि आयुष्मान कार्ड बनने से उनको फायदा मिला।

उन्होंने बताया कि पेट में तकलीफहोने पर उन्होंने आयुष्मान कार्ड के माध्यम से ऑपरेशन करवाया, जिसमें एक रूपया भी खर्चा नहीं हुआ। वहीं गांव के एक अन्य महिला जिन्हें उज्जवला योजना का लाभ मिला है। उन्होंने बताया कि पीएम उज्जवला योजना से अब धुएं से मुझे मुक्ति मिली है। अब हमें न तो लकड़ी लेने जंगल जाना पड़ता है और न ही गैस चूल्हे में खाना बनाने में किसी प्रकार की तकलीफहो रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री को धन्यवाद ज्ञापित किया।

अग्निवीर वायु सैनिक भर्ती के लिए आवेदन 6 फरवरी तक आमंत्रित

श्रीकंचनपथ न्यूज

सारंगढ़ बिलाईगढ़। जिले में वायुसेना में युवाओं को शामिल करने के उद्देश्य से सेमीनार का आयोजन किया गया। वायुसेना भोपाल के सार्जेंट राकेश कुमार चौबे और कार्पोल सोवन जेना द्वारा सारंगढ़ के आईटीआई केंद्र चंदाई में युवाओं का अग्निवीर भर्ती कैरियर मार्गदर्शन दिया गया।

भारतीय वायुसेना भर्ती द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य के केवल अविवाहित महिला एवं पुरूष आनलाईन आवेदन 06 फरवरी तक कर सकते हैं। अग्निवीर वायु सैनिक के पदों पर भर्ती हेतु ऑनलाईन परीक्षा की तिथि 17 मार्च 2024 को आयोजित की जाएगी। ऑनलाईन परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए उम्मीदवार 06 फरवरी 2024 तक वायुसेना के वेबसाईट अग्निपथवायु डॉट सीडीएसी डॉट इन में जाकर पंजीयन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि ईच्छुक उम्मीदवार की शैक्षणिक योग्यता किसी भी मान्यता प्राप्त केन्द्रीय अथवा राज्य की शिक्षा बोर्ड से इंटरमीडिएट या समकक्ष गणित, भौतिकी एवं अंग्रेजी विषय अथवा त्रिवर्षीय इंजीनियरिंग डिप्लोमा में 50 प्रतिशत अंकों एवं अंग्रेजी विषय में 50 प्रतिशत अंक सहित उत्तीर्ण या अन्य संकाय के उम्मीदवार इंटरमीडिएट या समकक्ष परीक्षा 50 प्रतिशत अंकों एवं अंग्रेजी विषय में 50 प्रतिशत अंक सहित उत्तीर्ण होना चाहिए। उम्मीदवार को 02 जनवरी 2004 से 02 जुलाई 2007 के बीच का जन्म होना चाहिए। उम्मीदवार की ऊंचाई पुरूष हेतु 152.50 सेंटीमीटर तथा महिला हेतु 152 सेमी, सीना पुरूष आवेदकों हेतु 77 सेमी. एवं फुलाने पर 82 सेमी., महिला आवेदक हेतु समानुपात में, वजन ऊंचाई एवं आयु के समानुपात में, सामान्य श्रवण क्षमता, दृष्टि क्षमता एवं शारीरिक रूप से स्वस्थ होना चाहिए। उम्मीदवार को चयन हेतु कम्प्यूटर आधारित ऑनलाईन लिखित परीक्षा, शारीरिक दक्षता परीक्षा एवं चिकित्सा परीक्षा में उत्तीर्ण करना होगा। उन्होंने बताया कि उत्तीर्ण उम्मीदवार को 04 वर्ष के लिए चयन किया जाएगा तथा अग्निवीर वायु भर्ती के नियमानुसार वेतन एवं अन्य भत्ता देय होगा। जिसमें प्रथम वर्ष 30,000 रुपये प्रतिमाह एवं भत्ता की राशि देय होगी।

अमेजन द्वारा श्रीराम अयोध्या प्रसाद के नाम पर लोगों से धोखा

कैट ने पीयूष गोयल से इस धोखाधड़ी पर तुरंत कार्यवाही करने का आग्रह किया - अमर पारवानी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। देश के सबसे बड़े व्यापारिक संगठन कन्फेडरेशन ऑफऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमर पारवानी, चेयरमेन मगेलाल मालू, अमर गिदवानी, प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र दोशी, कार्यकारी अध्यक्ष विक्रम सिंहदेव, परमानन्द जैन, वाशु माखीजा, महामंत्री सुरिन्द्रर सिंह, कार्यकारी महामंत्री भरत जैन, एवं कोषाध्यक्ष अजय अग्रवाल ने बताया कि कन्फ़ेडरेशन ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने एक चौंकाने वाले वक्तव्य में कहा है कि अमेज़न इंडिया द्वारा अपने ई-कॉमर्स प्लेटफार्म पर 'श्रीराम मंदिर अयोध्या प्रसाद' के नाम में मिठाई प्रसाद बेचा जा रहा है जो विशुद्ध रूप से देश के लोगों के साथ एक बड़ी धोखाधड़ी है और लोगों की धार्मिक भावनाओं के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है।

कैट के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष अमर पारवानी एवं प्रदेष अध्यक्ष जितेन्द्र दोषी ने बताया कि कैट ने केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल को एक पत्र भेजकर इस धोखाधड़ी की तरफ़ उनका ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि यह सर्वविदित है कि अयोध्या धाम के श्री राम मंदिर से अभी कोई प्रसाद वितरित नहीं हो रहा है लेकिन अमेजन के ई-कॉमर्स प्लेटफार्म पर एक विक्रेता के नाम से श्री राम मंदिर अयोध्या प्रसाद खुले आम बेचा जा रहा है। जिस प्रकार से विवरण लिखा गया है एक यह संदेश दे रहा है कि यह प्रसाद श्री राम मंदिर का ही है। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में जब सारा देश राम मय हो रहा है और लोग बेहद श्रद्धा भाव से श्री राम के काज में जुटे हैं, ऐसे में आमेजन द्वारा इस प्रकार का कृत्य बेहद ही नापाक है और एक बहुत बड़ी धोखाधड़ी है।

श्री पारवानी एवं दोषी ने बताया कि कैट ने गोयल से आग्रह किया है कि उपभोक्ता मंत्रालय की उपभोक्ता शिकायत और सुरक्षा अथॉरिटी (सीसीपीए) तुरंत इस ओर कार्यवाही करे और जब तक जाँच पूरी न हो जाये तब तक आमेजन के ई मार्केटप्लेस को प्रतिबंधित किया जाये। श्री पारवानी एवं श्री दोषी ने कहा कि अमेजन का इतिहास काला है और इस घटना से उसका असली चेहरा उजागर हो गया है। एक बेहद पूजनीय स्थान से जोड़ कर जस तरह प्रसाद की बिक्री की जा रही है, उससे पता चलता है कि अमेजन की मानसिकता कितनी विकृत है और उन्हें जैसे देश के नियम एवं क़ानूनों से कोई सरोकार नहीं है । अमेजन नियम एवं क़ानूनों का उल्लंघन करने का आदी है तभी दुनिया के अनेक देशों में अमेजन के खिलाफ अनेक मुक़दमे चल रहे हैं। श्री पारवानी एवं श्री दोषी ने बताया कि कैट ने श्री गोयल से पुरज़ोर आग्रह किया है कि ई-कॉमर्स पालिसी एवं उपभोक्ता क़ानून के अंतर्गत नियमों को शीघ्र ही लागू किया जाये। जब तक यह लागू नहीं होंगे तब तक आमेजन जैसी विदेशी कंपनियाँ अपनी मनमानी करते हुए लोगों को ठगती रहेंगी और देश के छोटे व्यापारियों को बड़ा नुक़सान झेलना पड़ेगा।

चेंबर प्रीमियर लीग टूर्नामेंट की विजेता बनी कनफेडरेशन ऑफ फार्मा डीलर्स एसोसिएशन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी, महामंत्री अजय भसीन, कोषाध्यक्ष उत्तम गोलछा, कार्यकारी अध्यक्ष राजेंद्र जग्गी, विक्रम सिंहदेव, राम मंधान, मनमोहन अग्रवाल, कैट सी.जी.चेप्टर के प्रदेश अध्यक्ष जीतेन्द्र दोशी, महामंत्री सुरिन्दर सिंह, कोषाध्यक्ष अजय अग्रवाल ने बताया कि चेंबर प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला छत्तीसगढ़ फेडरेशन ऑफ इंडस्ट्रीज एवं कान्फेडरेशन ऑफ फार्मा डीलर्स एसोसिएशन के बीच हुआ जिसमें फार्मा डीलर्स एसोसिएशन ने गौरवशाली जीत दर्ज कर ट्रॉफी अपने नाम की।

दोनों टीमों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। कान्फेडरेशन ऑफ फार्मा डीलर्स एसोसिएशन के निक्की ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 56 रनों की पारी खेली एवं 3 ओवर में 3 रन देकर सामने वाली टीम के 3 विकेट लिये जिसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच, बेस्ट बेटर, बेस्ट बॉलर सहित बेस्ट फील्डर ऑफ टूर्नामेंट चुना गया। पूरे टूर्नामेंट में खिलाड़ियों के प्रदर्शन को देखते हुए मैन ऑफ द सीरीज सानिध्य हुरकत, बेस्ट बेटर ऑफ टूर्नामेंट धैर्य मंधान, बेस्ट बॉलर ऑफ टूर्नामेंट का खिताब सौरभ मोहता को दिया गया एवं पुरस्कार दिये गये। फाइनल मैच में मुख्य अतिथि केबिनेट मंत्री टंकराम वर्मा ने खेल समिति द्वारा स्वर्गीय विजय होतवानी जी की स्मृति में आयोजित टूर्नामेंट की प्रशंसा की।

कैबिनेट मंत्री टंकराम वर्मा एवं चेंबर प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी ने विजेता एवं उपविजेता टीम को ट्रॉफी व पुरुस्कार राशि सहित बधाई एवं शुभकामनाएं दी तथा खिलाड़ियों को मेडल पहनाया।

चेंबर अध्यक्ष पारवानी जी ने समस्त प्रतिभागी टीम, खेल आयोजक समिति, स्पॉन्सर्स, चेंबर एवं कैट के समस्त पदाधिकारीगण और सदस्यों का ''चेंबर प्रीमियर लीग टूर्नामेंट'' के सफल आयोजन हेतु बधाई देते हुए एवं धन्यवाद ज्ञापित किया तथा कैबिनेट मंत्री माननीय टंकराम वर्मा जी को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। मैच में स्पॉन्सर अष्टविनायक रियालीटीज के फाउंडर श्री विक्की लोहाना जी गेस्ट ऑफ ऑनर रहे साथ ही मैच के को स्पॉन्सर साईं टीवीएस, हीरा टीवीएस एवं जी के ग्रुप के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे जिन्हें स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

फाइनल मैच के पूर्व मैत्री मैच, प्रेस क्लब बनाम चेंबर खेल समिति के बीच खेला गया जिसमें प्रेस क्लब ने शानदार जीत दर्ज करते हुए 8 विकेट से चेंबर खेल समिति को हराया। फाइनल मैच में विशेष अतिथि के रूप में चेम्बर चेयरमेन यू.एन.अग्रवाल एवं सुमित उपाध्याय, सुमित मेघानी जी सहित बड़ी संख्या में व्यापारीगण उपस्थित थे।

विशेष पिछड़ी कमार जनजाति के लोगों का हालचाल जानने सुदूर वनांचल के ग्राम सुकड़ीगुहान पहुंचे कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। कलेक्टर इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवाल आज जिले के आदिवासी बाहुल्य डौण्डी ब्लॉक के सुदूर वनांचल के ग्राम सुकड़ीगुहान पहुँचकर विशेष पिछड़ी कमार जनजाति के लोगों का हालचाल जाना। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों एवं कमार जनजाति के लोगों के साथ जमीन में बैठकर विभिन्न शासकीय योजनाओं के अंतर्गत उन्हें मिल रहे लाभ की पड़ताल के अलावा उनसे चर्चा कर उनके मॉगों एवं समस्याओं की जानकारी ली।

जिससे कि विशेष पिछड़ी कमार जनजाति के लोगों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से अधिक से अधिक लाभान्वित कराने के अलावा उनके मॉगों और समस्याओं के समुचित निराकरण हेतु कार्ययोजना बनाकर उसे सफलतापूर्वक क्रियान्वित किया जा सके। इस दौरान कलेक्टर ने ग्रामीणों से बारी-बारी से चर्चा कर उनके वास्तविक जरूरतों तथा मॉगों एवं समस्याओं की जानकारी ली।

कलेक्टर ने ग्रामीणों की मॉग पर गॉव में शुद्ध पेयजल की समुचित आपूर्ति सुनिश्चित कराने, आधार कार्ड एवं स्कूली बच्चों का जाति प्रमाण पत्र बनाने राजस्व विभाग की टीम भेजकर शिविर लगाने के अलावा कमार जनजाति के लोगों के द्वारा खेती की जा रही वनभूमि का वनाधिकार पत्र दिलाने, सभी पात्र हितग्राहियों को उज्ज्वला गैस कनेक्शन दिलाने तथा सभी परिवारों का राशन कार्ड बनाने जैसा अनेक सौगात दिया है। इसके अलावा उन्होंने ग्रामीणों के मॉग पर ग्राम सुकड़ीगुहान में शीघ्र प्राथमिक शाला संचालित करने हेतु जगह चयनित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। जिससे कि बच्चों को कक्षा पहली से पांचवी तक की पढ़ाई के लिए अन्य गांव में जाने की आवश्यकता न पड़े। श्री चन्द्रवाल ने ग्रामीणों की निस्तारी हेतु समुचित पानी का प्रबंध हो सके इसके लिए अधिकारियों को शीघ्र सुकड़ीगुहान में तालाब निर्माण की स्वीकृति प्रदान करने के निर्देश भी दिए।

इस दौरान कलेक्टर चन्द्रवाल के मधुर एवं आत्मीय व्यवहार से ग्रामीण एवं कमार जनजाति के लोग बहुत ही अभिभूत नजर आ रहे थे। कलेक्टर ने पूरी संवेदनशीलता के साथ सभी लोगों से चर्चा कर उनके वास्तविक जरूरतों को समझने का प्रयास किया। उन्होंने कमार जनजाति के लोगों से उनके बच्चों के पढ़ाई लिखाई के संबंध में जानकारी ली एवं बच्चों को छात्रावास में रखकर पढ़ाई-लिखाई का समुचित प्रबंध करने को कहा।

मथुरावासी चाट सेंटर
शादी एवं पार्टियों के आर्डर लिए जाते हैं।
9893283525
जैन पान ठेला के सामने आकाश गंगा सुपेला

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

दास गार्मेन्ट्स
जींस, शर्ट, टी-शर्ट, फ्राक सूट, फ्राक, फैंसी सलवार सूट एवं किट्स वियर, अंडर गारमेन्ट्स, गाउन के लेटेस्ट कलेक्शन
एक बार अवश्य पधारें
गणेश मार्केट, गुरुद्वारा, रोड सुपेला, भिलाई, 7828248067

Ashok JEWELLERY
Gifts • Toys • Cosmetics Perfumes • Sia Jewellery
Beside Parakh Jewellers, Akash Ganga, Supela, Bhilai
Hello: 0788-4052727
Mukesh Jain 9009959111
Rishabh Jain 8103831329

खाट के नीचे मच्छर अगरबत्ती जलाकर सोई बुजुर्ग महिला जिंदा जली, कंबल के जरिए फैली आग

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। जामुल थाना क्षेत्र में बुजुर्ग महिला की दर्दनाक मौत हो गई। बुजुर्ग महिला की खाट के नीचे घरवालों ने रात में मच्छर भगाने वाली अगरबत्ती जलाई। मच्छर भगाने वाली अगरबत्ती के संपर्क में आने से कंबल में आग लगी और देखते ही देखते खाट जल गया और बुजुर्ग महिला जिंदा आग में समा गई। परिवार के लोगों ने सुबह देखा और इसकी सूचना पुलिस को दी। घटना की जानकारी मिलने के बाद जामुल पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार घटना जामुल थाना क्षेत्र के नगर पालिका परिषद् जामुल के वार्ड 7 लीला चौक की है। यहां रहने वाली दुखिया बाई (90) शुक्रवार रात अपने कमरे में सोई हुई थी। बजुर्ग महिला का बेटा और बहू अलग कमरे में सोए हुए थे। मच्छर से बचाने के लिए बहू ने वृद्धा के कमरे में मच्छर भगाने वाली अगरबत्ती जलाकर खाट के नीचे रख दिया। रात में ठंड ज्यादा होने के कारण वृद्धा ने कंबल ओढ़ लिया। खाट के नीचे जल रही अगरबत्ती कंबल को लगी और देखते ही देखते आग लग गया। आग ने खाट को भी अपनी चपेट में ले लिया।

बताया जा रहा है बुजुर्ग महिला काफी अस्वस्थ रहती है और उम्र ज्यादा होने के कारण ठीक से चल भी नहीं पाती थी। आग लगने के बाद भी वह खाट से उतर नहीं पाई और शोर भी मचा न सकी। देखते ही देखते खाट के साथ वह भी आग की भेंट चढ़ गई। शनिवार सुबह जब बेटा और बहु ने बुजुर्ग महिला के कमरे में देखा तो उनके होश उड़ गए। इसके बाद आनन फानन में पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची जामुल पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने प्रारंभिक जांच के बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सुपेला के लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल भेजा। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम कराकर शव परिजनों के हवाले कर दिया।

खास खबर

किचन में मिली महिला की जली हुई लाशः आंगनबाड़ी सहायिका के पद पर थी कार्यरत, हत्या की आशंका

कोरबा (ए)। कोरबा में एक महिला की लाश उसके घर पर किचन में जली हुई हालत में मिली है। इस घटना की सूचना इलाके में आग की तरह फैल गई। देखते ही देखते ग्रमीणों की भीड़ इकट्ठा हो गयी। जिसके बाद इसकी जानकारी पुलिस को दी गई। जानकारी के बाद मौक पर पहुंची पुलिस मामले को संदिग्ध मान जांच कार्रवाई में जुट गई है। पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है।

ये पूरा मामला बांगो थाना क्षेत्र के ग्राम डुमरमुड़ा की है। 45 वर्षीय बृज कुंवर की लाश उसके ही घर के किचन में मिली है। महिला जली हुई हालत में मिली है। महिला के शरीर का अधिकांश हिस्सा जल चुका था। मृतका आंगनबाड़ी सहायिका के पद पर कार्यरत थी।

पति गया हुआ था जंगल

बताया जा रहा है कि महिला अपने पति के साथ अकेले रहती थी। उसका एक 20 साल का बेटा भी है, जो बोरवेल में काम करने बाहर गया हुआ है। वारदात वाले दिन महिला का पति गांव के पास जंगल गया हुआ था। जब पति जंगल से वापस घर पहुंचा तो उसकी पत्नी जली हुई हालत में मिली। इसके बाद पति ने इसकी जानकारी गांव वालों को दी।

पुलिस कर रही मामले की जांच

सूचना पर बांगो पुलिस व कटघोरा पुलिस पहुंची मौके पर पहुंची और घटनाक्रम की जानकारी लेते हुए मृतका के परिजनों का बयान दर्ज कर आसपास लोगों से पूछताछ शुरू की। कटघोरा एसडीओपी पंकज ठाकुर ने बताया कि घटना की सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। फोरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

2 अलग-अलग सड़क हादसों में 4 घायल, एक की हालत गंभीर

कांकेर (ए)। शनिवार शाम हुए दो अलग-अलग सड़क हादसे में 4 लोग घायल हो गए। जिसमें एक युवक की हालत गंभीर है। चारों का इलाज मेडिकल कॉलेज में जारी है। गंभीर युवक को बाहर रेफर करने की तैयारी थी। शनिवार शाम 4 बजे पहली घटना माकड़ी मोड़ के पास हुई। सामने से आ रही कार से बचने स्कूटी सवार दंपती वाहन को किनारे करने लगे, लेकिन हड़बड़ी में स्कूटी अनियंत्रित हो गई। जिससे शिक्षक वनिशभु आर्य को कंधे में व कोर्ट कर्मचारी विथिका को पैर में चोटें आई। वहीं दूसरी घटना डीआईजी कार्यालय के सामने हुई। जिसमें दो बाइक आपस में टकरा गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार मेडिकल स्टोर कर्मचारी प्रीतम कुलदीप निवासी पीढ़ापाल बाइक पर डिवाइडर से मुड़ कर दुकान की ओर जा रहा था। तभी घड़ी चौक की ओर से बाइक पर आ रहे नीरज बढ़ाई निवासी गुर्दाटोला दुर्गूकोंदल ने टक्करमार दी। जिससे दोनों गिर गए। मेडिकल कर्मचारी को सिर में अंदरूनी हिस्से में गंभीर चोटें आई है। जबकि दूसरे युवक को चेहरे में चोट आई है।

15 मामलों में 8 लाख रुपए का लगा जुर्माना

बलौदाबाजार। अवैध रेत मुरूम खनन एवं परिवहन के विरुद्ध प्रशासन द्वारा सख्त कार्रवाई की गई। जिसके तहत 7 दिनों में 15 मामलों पर 8 लाख 81 हजार 756 रुपए से अधिक का जुर्माना लगाया गया। खनिज विभाग से मिली जानकारी के अनुसार खनिज मुरुम के 3 मामले सीतापार, रिंगनी, जुनवानी तथा खनिज रेत के 3 मामले दतान (ख), बल्दा कछार एवं पैरागुड़ा काप्रकरण शामिल है, जिनके निराकरण से कुल 6 लाख 35 हजार 800 रुपये एवं अवैध परिवहन के कुल 9 मामले जिसमें 7 रेत व 2 चूना पत्थर के प्रकरण शमिल है, जिसके निराकरण से कुल 2 लाख 45 हजार 960 रुपए अर्थदंड राशि की वसूली की गई है। रेत भंडारण में अनियमिता पाए जाने पर बल्दाकछार, पैरागुड़ा एवं ठाकुर दिया तहसील कसडोल में स्थित रेत भंडारण की जांच कर छग खनिज खनन, परिवहन तथा भंडारण, नियम 2009 के तहत् भंडारण नियमों केशर्तोल्लंघन पर कारण बताओ नोटिस जारी कर कार्रवाई प्रचलन में है।

इंस्टा पर चाकू के साथ पोस्ट किया युवक दुर्ग पुलिस ने थाने में कराई उठक-बैठक

भिलाई। दुर्ग पुलिस ने इंस्टाग्राम पर चाकू के साथ पोस्ट कर दबंगई दिखाने वाले युवक को पकड़कर थाने में उठक बैठक कराई। दरअसल युवक ने लोहे का चाकू लिया और शार्ट वीडियो डालकर दबंगई दिखा रहा था। वीडियो वायरल हुआ और पुलिस तक पहुंच गया। इसके बाद पुलिस ने युवक को धर दबोचा। थाने लाकर उसकी जमकर क्लास ली और समझाइश देने के बाद उठक बैठक भी कराई। इसके बाद युवक ने पोस्ट को डिलीट कर दिया।

मिली जानकारी के अनुसार हरनाबांध दुर्ग निवासी इमरान खान नाम के युवक ने इंस्टा पर एक पोस्ट डाला। इसमें वह लोहे की चाकू के साथ डॉन जैसा बर्ताव कर रहा था। चाकू के साथ फिल्मी अंदाज में फोज देकर अपनी दबंगई दिखा रहा था। पोस्ट वायरल हुआ और यह दुर्ग पुलिस तक पहुंच गया। इसके बाद सायबर सेल की मदद से युवक की पहचान की गई। शनिवार को दुर्ग पुलिस ने युवक को हिरासत में लिया और थाने में उसकी क्लास लगाई।

युवक ने कान पकड़कर माफी मांगी

थाने पहुंचने के बाद युवक की सारी हेकड़ी निकल गई। पुलिस के सामने उसकी पूरी दबंगई भी खत्म हो गई। पुलिस ने युवक से थाने मे उठक बैठक करावाई और लोगों से अपील करने कहा। युवक ने उठक बैठक करते हुए लोगों से अपील करते हुए कहा कि उससे गलती हुई है। एक सप्ताह पहले उसने चाकू लेकर इंस्टा पर पोस्ट डाला। कोई भी चाकू लेकर इस तरह की वीडियो या फोटो इंस्टा पर न डाले। युवक के माध्यम से पुलिस ने भी लोगों से इस प्रकार के वीडियो न बनाने व ऐसे वीडियो पोस्ट करने से बचने की सलाह दी है। साथ ही आसपास कोई इस प्रकार की वीडियो पोस्ट करता है तो इसकी जानकारी नजदीकी थाने में जरूर दें।

पुलिस-नक्सली मुठभेड़

दो महिला सहित एक पुरुष नक्सली ढेर हथियार, विस्फोटक व अन्य सामान बरामद

बीजापुर। बीजापुर के बासागुड़ा थाना क्षेत्र के बलम नेंड्रा के जंगल में पुलिस व नक्सलियों के बीच सुबह हुई मुठभेड़ में पुलिस ने दो महिला समेत एक पुरुष नक्सली को मार गिराया हैं। वहीं जवानों ने घटनास्थल से हथियार, विस्फोटक व अन्य सामान बरामद किये हैं।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक पुलिस को सूचना मिली थी कि बासागुड़ा थाना क्षेत्र के बलम नेंड्रा के जंगल में मद्देड़ एरिया कमेटी डीव्हीसीएम विनोद कर्मा, आवापल्ली एलओएस राजू पुनेम, एसीएम विश्वनाथ, गुड्डु तेलम व अन्य 20 से 25 सशस्त्र नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना पर शुक्रवार को डीआरजी बीजापुर व कोबरा 210 की संयुक्त टीम नक्सल विरोधी अभियान पर निकली थी। अभियान के दौरान शनिवार की सुबह 7.30 बजे के करीब बेलम गुट्टा के पहाड़ी में पुलिस व नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हो गई। कुछ देर चली मुठभेड़ के बाद पुलिस ने दो महिला नक्सली और एक पुरूष नक्सली को मार गिराया है।

पुलिस के मुताबिक घटना स्थल से नक्सली शव सहित हथियार विस्फोटक प्रतिबंधित नक्सली संगठन की प्रचार प्रसार की सामग्री, नक्सली वर्दी, पिट्ठ, दवाइयां व रोजमर्रा के सामान बरामद किये हैं। क्षेत्र में जवानों का सर्च अभियान जारी हैं।

2 पिस्टल और 10 राउंड के साथ 3 युवक गिरफ्तार

पुलिस बोली- ढाबे पर बैठकर बड़ी घटना को अंजाम देने की कर रहे थे प्लानिंग

दंतेवाड़ा (ए)। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में पुलिस ने 2 पिस्टल और 10 राउंड के साथ 3 युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस का दावा है कि तीनों युवक किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में थे। पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। मामला गीदम थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, गीदम पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि शहर से करीब 5 से 6 किमी की दूरी पर स्थित एक ढाबे में 3 युवक बैठे हैं, जिनके पास बंदूक भी है। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने ढाबे पर छापा मारकर तीनों युवकों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में आरोपियों ने अपना नाम विक्रम कुमार यादव उर्फ सेल्फी, युवराज उइके और किशन उर्फ किट्ठू ठाकुर बताया। पुलिस ने इनकी तलाशी

ली। तलाशी के दौरान पुलिस ने विक्रम उर्फ सेल्फी से 1 पिस्टल, युवराज उइके से पिस्टल का 10 नग राउंड और किशन उर्फकिट्ठू ठाकुर से भी 1 पिस्टल बरामद कर लिया। हालांकि, इन्होंने पिस्टल कहां से लाई है, इसके बारे में अभी कोई स्पष्ट जानकारी नहीं है।

SDOP राहुल उइके ने बताया कि तीनों आरोपियों से पूछताछ की जा रही है कि इन्होंने पिस्टल कहां से लिया, साथ ही वे किस वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे। उन्होंने कहा कि मामले की जांच फिलहाल चल रही है।

टाउनशिप में तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार युवक को मारी टक्कर, अस्पताल पहुंचने से पहले हो गई मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बीएसपी टाउनशिप में बीती रात बड़ा हादसा हो गया। यहां के फॉरेस्ट एवेन्यू पर पंथी चौक के पास तेज रफ्तार कार सवार ने सामने से जा रहे बुलेट सवार को जोरदार ठोकर मार दी और फरार हो गया। बाइक सवार युवक मौके पर लहूलुहान पड़ा रहा और बाइक भी बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। कुछ देर बाद घायल युवक को वहां से किसी अज्ञात शख्स ने सेक्टर-9 अस्पताल पहुंचाया लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। इधर शनिवार को नाराज परिजनों ने थाने का घेराव कर दिया और आरोपी के पकड़े जाने तक शव का पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया। फिलहाल भिलाई नगर पुलिस ने आरोपी की पता तलाश शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार घटना शुक्रवार रात 9 से 10 बजे के बीच की बताई जा रही है। सेक्टर -10 निवासी देव बाग (20) रिसाली में किसी कपड़े की दुकान में काम करता है। शनिवार को रोज की तरह वह सुबह 10 बजे काम पर चला गया। अक्सर वह रात 10 से 10:30 बजे तक घर लौट जाता था लेकिन शुक्रवार को वह नहीं लौटा। रात लगभग 10:30 बजे देव बाग के घरवालों को पता चला कि उसका एक्सीडेंट हो गया है। इसके बाद परिजन सेक्टर-9 अस्पताल पहुंचे तो वहां देव बाग मृत हालत में मिला। परिजनों ने डॉक्टर से पूछा तो बताया गया कि अस्पताल लाने से पहले की उसकी मौत हो गई थी। इसके बाद शव को मरच्यूरी में रखवा दिया गया है।

भिलाई नगर थाने पहुंचे परिजन, आरोपी की गिरफ्तारी की मांग

हादसे में बेटे को खोने वाले नवीन बाग, उसकी पत्नी व बेटी सहित मृतक के दोस्त व अन्य परिचित शनिवार को भिलाई नगर पहुंचे और जमकर हंगामा किया। परिजनों के आखों में आंसू थे और बेबसी से वे आरोपी की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। मृतक देवबाग की मां का कहना है कि जब तक आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो जाती तब तक वे अपने बेटे का पोस्ट मार्टम नहीं करवाएंगी। वहीं मृतक के पिता नवीन बाग का कहना है कि बेटा चला गया लेकिन अब इंसाफ चाहिए। एक्सीडेंट करने वाले को पुलिस गिरफ्तार करे और कड़ी कार्रवाई हो। यहीं मांग वहां मौजूद हर शख्स ने की।

तेज रफ्तार से कार सवार ने मारी टक्कर

हादसे के बाद शनिवार की सुबह भिलाई नगर थाने मे क्षतिग्रस्त बाइक को लाया गया। हादसे वाली जगह पर पुलिस को कार के बोनट का टुकड़ा व नंबर प्लेट मिला है। बुलेट को कार सवार द्वारा पीछे से टक्कर मारी गई जिससे वह सड़क पर दूर जा गिरा और सिर पर गहरी चोट लगने से अत्याधिक खून बह गया। जिस कार सवार से बाइक को ठोकर मारी उसका नंबर सीजी 07 एएम 9908 बताया जा रहा है और वह निशार अहमद कुरैशी के नाम पर रजिस्टर्ड है। एक्सपर्टस् का कहना है कि बाइक की हालत देखकर पता चलता है कि लगभग 100 की रफ्तार से उसे ठोकर मारी गई है।

साइकिल की जगह बाइक से गया था दुकान

मृतक देवबाग के दोस्त ने बताया कि वह रिसाली में काम करता है और रोज साइकिल से जाता था। शुक्रवार को साइकिल पंक्चर होने के कारण वह बाइक लेकर गया और हादसे का शिकार हो गया। परिजनों ने बताया 10:30 तक उसके नहीं लौटने पर उसे फोन करते थे। रोज फोन करने से वह नाराज रहता था और उसने कह रखा था कि रात को लौटते समय दोस्तों से मिलते हुए आता है इसलिए देर हो जाती है। शुक्रवार को परिजनों ने उसे फोन भी नहीं किया लेकिन उसके एक्सीडेंट की खबर उन तक पहुंच गई। हादसे में एक घर का चिराग बुझ गया।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:- 9303289950, 9827806026, 8962815243

दुल्हन बैंगल्स & फैंसी
RAKESH SINGH Mob.-9840760388 7987759030
Specialist : Wedding mix match bangles, Glass bangle, Plastic bangle. Saree pin, Bindi, Rubber Band. Bracelet, Butter Fly, Ear ring and many more
पुष्पांजलि स्वीट्स के बाजू में, कृष्णा टाकिज रोड, रिसाली, भिलाई

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

खास - खबर

जवाहर नवोदय विद्यालय के चयन परीक्षा में 3825 परीक्षार्थी हुए शामिल

दुर्ग। जवाहर नवोदय विद्यालय चयन परीक्षा सत्र कक्षा 6 वीं में प्रवेश हेतु आज 20 जनवरी को परीक्षा आयोजित की गई। वर्ष 2024-25 के लिए दुर्ग जिले में 19 परीक्षा केन्द्रों विकासखण्ड धमधा में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बालक धमधा, सेजस तमेरपारा, मेड़ेसरा, पथरिया, नंदनी खुदनी, कन्या धमधा कुल 06, विकासखण्ड पाटन में सेजस पाटन, कन्या पाटन, सेजस सेलुद देवादा, कन्या सेलुद, गोड़पेन्द्र, सेजस पतोरा कुल 07. एवं विकासखण्ड दुर्ग में आदर्श कन्या, तिलक कन्या, सेजस दीपक नगर, रुवाबांधा भिलाई, तकियापारा, सेजस जे.आर.डी. दुर्ग कुल 06 परीक्षा के सफल संचालन हेतु जिला शिक्षा अधिकारी, सहायक संचालक दुर्ग एवं तीनो विकासखण्ड के विकासखण्ड शिक्षा अधिकारियों के द्वारा विभिन्न परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण किया गया।

मुख्य कार्यालय एवं सभी जोन कार्यालयों में हर्षोल्लास मनाया जाएगा गणतंत्रता दिवस

भिलाई। गणतंत्र दिवस 26 जनवरी का राष्ट्रीय पर्व निगम भिलाई के मुख्य कार्यालय एवं सभी जोन कार्यालय में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। मुख्य कार्यालय सुपेला प्रांगण में प्रातः 8:00 बजे महापौर नीरज पाल, सभापति गिरवर बंटी साहू एम.आई.सी.के सदस्य पार्षद आयुक्त एवं अधिकारी कर्मचारियों की उपस्थिति में महापौर ध्वज फहराएंगे इसके पूर्व सभी जोन कार्यालय में प्रातः 7:30 बजे जोन अध्यक्ष पार्षद,जोन आयुक्त अधिकारी कर्मचारी की उपस्थिति में ध्वजारोहण किया जाएगा। आयुक्त देवेश कुमार ध्रुव ने राष्ट्रीय पर्व के पूर्व संध्या पर सभी शासकीय भवनों में रोशनी करने तथा शहर के महत्वपूर्ण स्मारक स्थल की साफसफाई कर माल्यार्पण करने चौक चौराहों की सफाई कर देशभक्ति के गीत का प्रसारण किए जाने हेतु अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की है उन्होंने जिले के मुख्य आयोजन रवि शंकर स्टेडियम दुर्ग में निगम भिलाई की ओर से थीम आधारित झांकी तैयार कर प्रस्तुत किए जाएंगे।

आस्था स्पेशल ट्रेन में रामलला के दर्शन को जायेंगे रामभक्त : धरमलाल कौशिक

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। अयोध्या में प्रभु श्रीरामलला और उनके मंदिर दर्शन के लिए भाजपा ने केंद्र सरकार के सहयोग से दर्शन योजना बनाई है, इस योजना के माध्यम से श्रीरामलला के दर्शनार्थ जाने वाले रामभक्तों के पंजीयन, व्यवस्था और उनके आवागमन को सुविधाजनक बनाने के उद्देश्य से समिति के प्रदेश संयोजक धरमलाल कौशिक ने दुर्ग संभाग के सभी जिला भाजपा अध्यक्षों सहित 20 विधानसभा सीटों के महत्वपूर्ण नेताओं की बैठक दुर्ग जिला भाजपा कार्यालय में ली।

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष और पूर्व नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक ने दर्शन योजना के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के द्वारा पूरे भारत से अयोध्या राम मंदिर के दर्शन हेतु आस्था ट्रेन चलने का निर्णय लिया गया है। केंद्र सरकार के द्वारा जो दर्शन योजना बनाई है, उसमें भाजपा द्वारा विशेष रूपरेखा तैयार की गई है, जिसके अंतर्गत दर्शनार्थियों का पहला जत्था 7 फरवरी को सवेरे दुर्ग रेलवे स्टेशन से आस्था स्पेशल ट्रेन के माध्यम से रवाना होगा, जिसे हरी झंडी दिखाने के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सहित प्रदेश शासन के अन्य मंत्री और वरिष्ठ नेता उपस्थित रहेंगे। उन्होंने आगे बताया कि जिला और मंडल स्तर पर अयोध्या राममंदिर दर्शन समिति का गठन किया जा चुका है, दर्शन समितियों द्वारा प्रति दर्शनार्थी 1400 रूपये का पंजीयन शुल्क लेकर सूची तैयार की जाएगी, जिला समिति के समक्ष पंजीयन शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 24 जनवरी रहेगी, इसके बाद यह सूची रेलवे को प्रेषित कर दी जाएगी और रेलवे द्वारा प्रत्येक यात्री को पृथक पृथक यात्रा कार्ड जारी किया जाएगा। केवल पंजीकृत दर्शनार्थी ही ट्रेन में सवार हो सकेंगे। यात्रा के दौरान खान-पान और अयोध्या पहुंचने के बाद यातायात, ठहरने एवं खाने पीने की व्यवस्था निशुल्क रहेगी। दूसरे चरण की दर्शन यात्रा 29 फरवरी को होगी। राम मंदिर दर्शन समिति के प्रदेश संयोजक एवं नेता प्रतिपक्ष धरमलाल कौशिक ने बताया कि ट्रेन में अधिकतम 1440 लोगों का पंजीयन होगा, दुर्ग संभाग के अंतर्गत आठ जिलों की 20 विधानसभाओं से 1440 लोग इस जत्थे में शामिल होंगे, दुर्ग संभाग की प्रत्येक विधानसभा से 72 राम भक्त जाएंगे। ट्रेन का यात्रा प्रभारी अजय तिवारी को बनाया गया। इस ट्रेन में कुल 20 कोच रहेंगे, प्रत्येक कोच के लिए अलग-अलग कोच प्रभारी बनाए गए। कोच प्रभारी की यह जवाबदारी रहेगी कि अपने कोच के सभी यात्रियों को संयोजित करें और उनकी सुविधा का ध्यान रखे साथ ही संपूर्ण यात्रा के बाद उनकी सुरक्षित वापसी हो, इसकी चिंता करें। दुर्ग संभाग से 10 कार्यकर्ता 8 दिन पहले ही अयोध्या जाकर वहां की समस्त व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करेंगे।

संभागीय बैठक में स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए जिला भाजपा अध्यक्ष जितेन्द्र वर्मा ने कहा कि बहुत ही गौरव का विषय है कि प्रभु रामलला के दर्शनों के लिए पहला जत्था दुर्ग से रवाना हो रहा है। रामभक्तों को रामलला के दर्शन कराने और उनकी सेवा का अवसर भाजपा कार्यकर्ताओं को मिला है, ये सुखद और सौभाग्य का अवसर है। हर कार्यकर्ता अपनी जवाबदेही के अनुसार तैयार रहे, इसके लिए पूरी तरह से तैयारी को लेकर बैठकों का दौर भी चल रहा है। संभागीय बैठक का संचालन जिला उपाध्यक्ष राजेन्द्र कुमार पाध्ये ने किया एवं आभार जिला महामंत्री एवं विधायक ललित चंद्राकर ने किया।

आयोजित बैठक में मंचस्थ नेताओं में भाजपा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद सुश्री सरोज पांडेय, कैबिनेट मंत्री दयाल दास बघेल, लोक सभा सांसद विजय बघेल, संतोष पांडेय, विधायक डोमनलाल कोर्सेवाडा, ललित चंद्राकर, गजेंद्र यादव, रिकेश सेन, दीपेश साहू, ईश्वर साहू, पूर्व सांसद लखन साहू, जिला प्रभारी राजीव अग्रवाल, जिला अध्यक्ष बृजेश बिजपुरिया थे। उपस्थित प्रमुख नेताओं में राजनांदगांव, बेमेतरा, कवर्धा, मानपुर-मोहला, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, भिलाई, बालोद के भाजपा के पदाधिकारी कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से विधायक रिकेश ने की विशेष चर्चा, महत्वपूर्ण बिंदुओं पर लिया मार्गदर्शन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। छत्तीसगढ़ विधानसभा के प्रबोधन कार्यक्रम में पहुंचे लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने विशेष मुलाकात कर विधानसभा प्रश्नोत्तरी तथा संसदीय प्रणाली के संबंध में चर्चा की। ओम बिरला ने रिकेश सेन को सभी टेक्नोलॉजी का ज्यादा से ज्यादा उपयोग करने तथा विधायक के रूप में बेहतर विचार संयोजन एवं विजन पर अनेक टिप्स भी दिए। उन्होंने कहा कि इससे क्षेत्र के विकास के लिए अधिक से अधिक काम किया जा सकता है। लोकतंत्र के सदन को हम यदि मंदिर मानते हैं तो इसकी गरिमा के अनुकूल आचरण करने की जरूरत होती है।

उन्होंने कहा कि पिछड़े क्षेत्र के विधायकों की जवाबदारी ज्यादा बढ़ जाती है, उन क्षेत्रों में विकास अच्छी तरह हो सके और जो विधायक ऐसे क्षेत्र के हैं जो पिछड़े नहीं हैं, उन क्षेत्रों में भी विशेष कार्य करने की आवश्यकता होती है। विधायक रिकेश सेन ने वैशाली नगर विधानसभा सहित छत्तीसगढ़ के अनेक विषयों पर उनसे बात करते हुए मार्गदर्शन लिया। श्री सेन ने राजस्थान क्षेत्र में बहुतायत सेन समाज के लोगों के विषय में भी लोकसभा अध्यक्ष से चर्चा की।

दो दिवसीय प्रबोधन कार्यक्रम में? लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने विधायकों को संबोधित करते हुए कहा कि सभी विधायक जनता की आकांक्षाओं पर खरा उतरें। छत्तीसगढ़ अपनी प्राकृतिक सम्पदा, सौंदर्य, अध्यात्मिक और सांस्कृतिक समृद्धि का प्रतीक है, आप सभी का सौभाग्य है कि आपको इस विधानसभा के सदस्य होने का मौका मिला है।

हमें संसदीय परम्पराओं, नियमों, संविधान को जानने और किस तरीके से हम अपने संवैधानिक दायित्वों को निभाते हुए इस विधान मंडल के माध्यम से इस राज्य में समृद्धि और खुशहाली ला सकते हैं, इसका ज्ञान मिलेगा। दो दिन का यह प्रबोधन निश्चित रूप से हमारे जीवन में सार्थक होगा।

कलेक्टर ने धान उपार्जन केन्द्र अण्डा व रिसामा का किया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिले की कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी ने ग्राम पंचायत अण्डा के स्थित धान उपार्जन केन्द्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान समिति प्रबंधक राजकुमार से धान संबंधी जानकारी ली। धान उपार्जन केन्द्र में समिति प्रबंधक के द्वारा लापरवाही बरतने पर नोडल अधिकारी श्रीमती संगीता जोशी को नोटिस जारी करने के खाद्य अधिकारी को निर्देश दिये। धान उपार्जन केन्द्र में 1887 पंजीकृत किसान है। जिसमें 1605 किसानों ने धान बेचा शेष किसान द्वारा धान बेचने की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। अब तक कुल एक लाख नौ सौ पचहत्तर क्विंटल धान बेचा गया, शेष 20 हजार क्विंटल धान बेचने की प्रक्रिया में है। कलेक्टर ने निर्देश के बावजूद समिति प्रबंधक राजकुमार ने लापरवाही बरतने पर उन्हें निलंबित किये जाने के निर्देश दिये। इसी प्रकार नोडल अधिकारी श्रीमती संगीता जोशी को नोटिस जारी किये जाने के निर्देश दिये।

कलेक्टर ने रिसामा स्थित सेवा सहकारी समिति मर्यादित द्वारा संचालित धान उपार्जन केन्द्र का भी निरीक्षण किया गया। उन्होंने नोडल अधिकारी से धान संबंधी जानकारी पूछने पर उन्होंने बताया कि कुल 1016 किसानों में से 960 किसानों धान बेचने का कार्य पूर्ण किया गया। उन्होने सहायक प्रबंधक को निर्देश दिये कि मिलर से समन्वय बनाकर 1 से 2 दिन के भीतर मंडी से धान उठाने का कार्य पूर्ण करना सुनिश्चित करें। उन्होंने रिसामा धान उपार्जन केन्द्र कार्य पूर्ण होने की दशा में उनके कार्य की सराहना की। जबतक धान की जांच नहीं होगा तबतक मिलर के पास धान नहीं जायेगा। लापरवाही पर जताई नाराजगी।

आलबरस में जिला स्तरीय पशु मेला उत्सव एवं प्रदर्शनी का आयोजन संपन्न

पशु नस्ल सुधार के क्षेत्र में कार्य करने वाले पशुपालक हुए सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिले के दुर्ग विकासखण्ड ग्राम पंचायत आलबरस में जिला स्तरीय पशु मेला उत्सव एवं प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में पशुचिकित्सा मोबाईल वैन आकर्षक का केन्द्र बना रहा। कार्यक्रम में मोबाईल वैन के माध्यम से कृत्रिम गर्भधान, फ्रीजिंग, माइक्रोस्कोप तथा अन्य दवाई वगैरह की वितरण की गई है।

शासन द्वारा जिले में कुल 5 मोबाईल वैन आबंटित हुई है। यह मोबाईल वैन जिले के सभी ग्राम पंचायतों में पशुओं का ईलाज किया जा रहा है। पशु मेले में बहुत से ऐसे किसान पशु विभाग के मार्गदर्शन से अपने जानवरों के नस्लों का सुधार किया जा रहा है और किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत हो रही है। किसानों का इन्कम दुगुनी करने का मूल उद्देश्य है। प्रदर्शनी के दौरान जिन किसानों ने अच्छा प्रदर्शन किया, उन किसानों को सम्मानित भी किया गया। किसान अधिकारियों से मिलकर या फोन पर भी पशु से संबंधित जानकारी प्राप्त कर सकते है। इस शिविर में 15 गांव के किसान भी शामिल हुए। कार्यक्रम में सांसद विजय बघेल ने कहा कि कबड्डी खेल में आलबरस से पुराना नाता रहा है। उन्होंने कहा कि आलबरस सहित आसपास क्षेत्र तांदुला, खरखरा और शिवनाथ नदी के तट पर स्थित है और यह फसल और पशुपालकों के लिए उपयुक्त है। इस दौरान कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी, पशुविभाग के उपसंचालक सुदीप प्रताप सिंह के साथ अन्य अधिकारी, जनप्रतिनिधि व बड़ी संख्या में ग्रामीणजन मौजूद थे।

रक्तदान शिविर में 19 यूनिट ब्लड एकत्रित

दुर्ग। कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी, सीएमएचओ डॉक्टर जेपी मेश्राम, सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉक्टर ए के साहू के निर्देशानुशार जिला चिकित्सालय में मरीजों के लिए आपात स्थिति को देखते हुए रक्त की उपलब्धता बनाए रखने हेतु दुर्ग जिला रक्त केन्द्र के द्वारा लगातार रक्तदान शिविर आयोजित किया जा रहा है। 20 जनवरी 2024 को दुर्ग जिला देवांगन समाज द्वारा परमेश्वरी आश्रम बघेरा में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया जिसमें कुल 19 यूनिट बहुमूल्य रक्त एकत्रित किया गया। जिला रक्त केंद्र के नोडल अधिकारी डॉक्टर प्रवीण कुमार अग्रवाल एवं प्रभारी अधिकारी डॉक्टर नेहा नलवाया के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में डॉ. पीयूष गायक ,डॉ दिनेश प्रजापत, काउंसलर एंथोनी ,वरिष्ठ लैब तकनीशियन रोशन सिंह सुपरवाइजर रूपेश सर्पे, स्टाफनर्स तरूणा रावत, प्रयोगशाला टेक्नीशियन तीरथ, तरनुम्म, महेंद्र चंद्राकर, चतुर्थ श्रेणी श्री कौशल साहू, देवांगन समाज से दुष्यन्त देवांगन आदि की उपस्थिति व सहयोग से कैंप का सफल सम्पादन किया गया।

कोई भी अधिकार बिना जिम्मेदारी के नहीं मिलता

श्रीकंचनपथ

कोई भी अधिकार बिना जिम्मेदारी के नहीं मिलता
बचपन में जब-जब डांट पड़ती, तब-तब ऐसा लगता कि हमें जल्दी से जल्दी बड़ा हो जाना चाहिए। जब भी किसी बच्चे की मांग पूरी नहीं होती, वह सोचता है कि जब वह बड़ा हो जाएगा तब अपनी सारी ख्वाहिशें पूरी कर लेगा। और फिर एक दिन वह बड़ा हो जाता है। तब उसे समझ में आता है कि परिवार का मुखिया होना एक कांटों से भरा ताज है। इसमें टीम लीडर होने की खुशी कम है और जिम्मेदारियों का बोझ अधिक। छत्तीसगढ़ के लिए शनिवार का दिन बेहद महत्वपूर्ण रहा। विधायकों के प्रबोधन कार्यक्रम में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया, उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने खुलकर लोकतंत्र की बात की। धनखड़ ने दो टूक कहा कि कोई भी अधिकार बिना जिम्मेदारी के नहीं आता। जिम्मेदारियों को निभाने के लिए पक्ष और विपक्ष के विधायकों को मिलकर काम करना होगा। सदन में उनकी भूमिका प्रतिद्वंद्वी की नहीं हो सकती। आलोचना भी रचनात्मक और समाधानपरक होनी चाहिए। महाना ने विधायकों को जनता के साथ सम्पर्क और संवाद को बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। मनसुख मंडाविया ने फीडबैक को महत्वपूर्ण मानते हुए जनता से लगातार संवाद के महत्व को रेखांकित किया। साथ ही उन्होंने अध्ययनशीलता पर जोर दिया। लोकसभा अध्यक्ष ने विधायकों से अपनी जानकारी के स्तर को लगातार बढ़ाने की समझाइश दी। यह एक सुखद संयोग है कि विधायकों का यह प्रबोधन ऐसे समय में हुआ जब अयोध्या में रामलला के विग्रह की प्राणप्रतिष्ठा हो रही है। लोकतंत्र को नया नाम भले ही 20वीं सदी में मिला हो पर इसकी नींव त्रेतायुग में पड़ चुकी थी। प्रभु श्रीराम ने लोकजीवन के आदर्शों को स्थापित करने के लिए त्याग और तपस्या की थी। मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम ने अपने जीवनकाल में लोकतंत्र के उच्चतम आदर्शों को स्थापित किया। यह कहना है कि कलियुग में केवल ईश्वर का नाम लेने से ही सारे पाप कट जाएंगे, एक बहुप्रचारित प्रवंचना मात्र है। राम राज्य ऐसे ही नहीं आ जाता। आज किसी धोबी ने मुंह खोला तो वह जेल में होगा। हो सकता है दूसरे ही दिन वह लापता हो जाए। वनवास भी आसान नहीं होगा। मिनरल आरओ वाटर वाला आदमी नदी का जल पीते ही बीमार पड़ जाएगा। प्रभु श्रीराम ने वानरों और रीछों की सेना के साथ लंका विजय किया। आज का राजा इन्हें वंचित मानता है। वह इनके जंगल-गांव उजाड़ता है और मुफ्त की राशन-बिजली देकर उन्हें रिझाने की कोशिश करता है। जिस तरह मनुष्य के शरीर में नाक-कान-आंख, सिर-पैर, पेट-पीठ की अपनी-अपनी जगह निश्चित है, उसी तरह प्रकृति का संतुलन भी शाश्वत है। प्रभु श्रीराम ने धोबी का मुंह नहीं पकड़ा, निषादराज को अयोध्या नहीं बुलाया, शबरी के जूठे बेरों पर नाक-भौं नहीं सिकोड़ी, सुग्रीव, अंगद, जामवन्त सभी को समुचित सम्मान दिया। यहां तक कि युद्धभूमि में धराशायी रावण को भी अपमानित नहीं किया। क्या हम ऐसा कर पाएंगे?

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950